मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 304
रविवार, 24 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कोयला खदान में धमाका: अब तक 90 मजदूरों की गई जान, सैंकड़ों अब भी मौत के मुंह में फंसे

चीन, 23 मई। चीन के उत्तरी प्रांत शानशी की एक कोयला खदान में विस्फोट के कारण कम से कम 90 मजदूरों की मौत हो गई। बीजिंग के आधिकारिक मीडिया ने शनिवार को बताया कि अब तक 201 खनिकों को बचाया गया है। गैस विस्फोट शुक्रवार शाम लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ। विस्फोट के बाद से बचाव अभियान जारी है। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' की खबर के अनुसार, उत्तरी चीन के शानशी प्रांत के क्विनयुआन काउंटी में कोयला खदान में विस्फोट होने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यापक पैमाने पर बचाव अभियान चलाए जाने और घायलों का उपचार सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, चांगझी शहर की लियुशेन्यू कोयला खदान में यह हादसा शुक्रवार शाम को हुआ। जिस वक्त यह हादसा हुआ उस समय करीब 247 श्रमिक खदान में काम कर रहे थे। इससे पहले 'शिन्हुआ' ने शनिवार सुबह खबर में बताया था कि हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है और 38 लोग खदान में फंसे हुए हैं। शिन्हुआ के अनुसार, विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है और बचाव अभियान जारी है।

उन्होंने हादसे के बाद की स्थिति से उचित तरीके से निपटने, इसके कारणों की गहन जांच करने और कानून के अनुसार जवाबदेही तय करने के भी निर्देश दिए।

जिनपिंग ने कहा कि इस हादसे से देशभर के प्राधिकारियों को सबक लेना चाहिए, कार्यस्थल पर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना चाहिए और संभावित जोखिमों की पहचान कर उन्हें दूर करने के प्रयास तेज करने चाहिए, ताकि हादसों को रोका जा सके। उपप्रधानमंत्री झांग गुओकिंग बचाव अभियान की निगरानी के लिए एक दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

जनता की कमाई किश्तों में लूट रही मोदी सरकार: मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 23 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को ईंधन की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी करने पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी आम आदमी की कमाई को किश्तों में लूट रही है। कीमतों में हुई इस नवीनतम बढ़ोतरी पर प्रतिक्रिया देते हुए खर्गे ने कहा कि अतीत में जब अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें गिरीं, तो केंद्र सरकार ने नागरिकों को इसका पूरा लाभ नहीं दिया। उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को भी दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समझौते के तहत काम कर रहे हैं।

खरगे ने पर एक पोस्ट में लिखा कि पेट्रोल की कीमत अब 100 रुपये के पार पहुंच गई है। इस बार तो जनता की कमाई को किश्तों में लूटा जा रहा है! पेट्रोल-डीजल पर प्रतिदिन 1000 करोड़ रुपये का

केंद्रीय कर लगाने के बाद भी भाजपा की भूख शांत नहीं हुई है। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम थीं, तो उन्होंने इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंचाया - बल्कि उन्हें बेरहमी से लूटा। जब संकट आया, तो वे सीधे चुनाव में कूद पड़े, और चुनाव के बाद त्याग का उपदेश देने लगे।

प्रशासन के इस दावे का खंडन करते हुए कि भारत में ईंधन की कीमतें विदेशी देशों की तुलना में कम हैं, खरगे ने इस बात का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया कि किस प्रकार अंतरराष्ट्रीय सरकारों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के आर्थिक प्रभाव से नागरिकों की रक्षा के लिए कदम उठाए। उन्होंने लिखा कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ा और प्रधानमंत्री मोदी हम भारतीयों को सब ठीक है का दिलासा देने में व्यस्त थे, तब अन्य देश अपने नागरिकों को राहत दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि 1. इटली ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम किया, जिससे वहां के लोगों को कुछ राहत मिली। 2. ऑस्ट्रेलिया ने उत्पाद शुल्क कम किया, जिससे नागरिकों के लिए पेट्रोल की कीमतें लगभग 17 रुपये प्रति लीटर कम हो गईं। 3. जर्मनी ने तेल पर कर कम किया, जिससे ईंधन की कीमतें 17-19 रुपये प्रति लीटर कम हो गईं। 4. ब्रिटेन ने परिवारों को तेल सहायता के रूप में 100 पाउंड दिए और ईंधन और बिजली पर कर कम किए।

बांग्लादेश में 'खसरे' का कोहराम: 500 से ज्यादा बच्चों की मौत, अस्पतालों में मची अफरा-तफरी

ढाका, 23 मई। पड़ोसी देश बांग्लादेश इस समय खसरे के भयानक प्रकोप की चपेट में है। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस जानलेवा बीमारी ने देश में अब तक 500 से ज्यादा बच्चों की जान ले ली है। यह पिछले कई दशकों में बांग्लादेश में खसरे का सबसे भीषण प्रकोप माना जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, खसरे के मामले पिछले कुछ महीनों में इतनी तेजी से फैले हैं कि वहां के अस्पतालों में अब जगह कम पड़ने लगी है। खासकर ग्रामीण इलाकों और घनी आबादी वाली कम आय वाली बस्तियों में स्वास्थ्य सेवाएं इस बोझ के तले पूरी तरह चरमरा गई हैं। स्वास्थ्य निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, 15 मार्च से 23 मई के बीच देशभर में 62,507 संदिग्ध

मामले और 8,494 प्रयोगशाला-पुष्टि मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस बीमारी का सबसे ज्यादा खतरा 5 साल से कम उम्र के बच्चों को है। विशेष रूप से वे बच्चे जिन्होंने अभी तक टीका नहीं लगवाया है या जिनका टीकाकरण अधूरा है, वे मौत के मुंह में समा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले महीने ही आगाह किया था कि नियमित टीकाकरण कवरेज में गिरावट के कारण बड़े पैमाने पर प्रकोप का खतरा बढ़ गया है।

खसरा दुनिया की सबसे संक्रामक बीमारियों में से एक है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन की दो खुराक के जरिए इससे पूरी तरह बचा जा सकता है। वर्तमान संकट ने टीकाकरण की महत्ता को एक बार फिर दुनिया के सामने ला दिया है।

मोदी और ट्रंप गंभीर और दूरदर्शी नेता, दुनिया की भलाई के लिए साथ काम करेंगे भारत-अमेरिका: अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो

नई दिल्ली, 23 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ नई दिल्ली में व्यापक बातचीत की। इस दौरान रक्षा, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, निवेश, रणनीतिक तकनीक और वैश्विक सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के मुताबिक, मार्को रूबियो ने भारत-अमेरिका सहयोग में लगातार हो रही प्रगति की जानकारी दी। बातचीत में रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, शिक्षा, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे विषय शामिल रहे।

बैठक में पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। रूबियो ने अमेरिका का दृष्टिकोण भारत के सामने रखा।

इसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति के जरिए विवादों के समाधान का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि भारत और अमेरिका वैश्विक हितों के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति पर खुशी जताई। नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास सपोर्ट एनेक्स बिल्डिंग का उद्घाटन करते हुए रूबियो ने भारत को अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति का बेहद महत्वपूर्ण साझेदार बताया। रूबियो ने कहा कि इस नई इमारत का उद्घाटन भारत में करना सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि यह अमेरिका की उस सोच का प्रतीक है जिसमें भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में केंद्रीय भूमिका दी गई है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्तों की सबसे मजबूत नींव राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदीके बीच व्यक्तिगत संबंध हैं। रूबियो ने कहा कि दोनों नेताओं का रिश्ता ट्रंप के पहले कार्यकाल से शुरू हुआ था, जब उन्होंने भारत का दौरा किया था, और अब दूसरे कार्यकाल में भी यह संबंध और मजबूत हुआ है। रूबियो ने कहा कि नेताओं के बीच मजबूत व्यक्तिगत जुड़ाव बेहद जरूरी होता है, क्योंकि इससे रणनीतिक साझेदारी को स्थिरता और भरोसा मिलता है। उन्होंने मोदी और ट्रंप को गंभीर और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि दोनों सिर्फ अल्पकालिक राजनीति नहीं, बल्कि लंबे समय के वैश्विक हितों पर ध्यान दे रहे हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती सक्रियता और वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत-अमेरिका सहयोग आने वाले वर्षों में और ज्यादा अहम होने वाला है। बैठक में विदेश मंत्री S. Jaishankar, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार Ajit Doval, भारत में अमेरिकी राजदूत Sergio Gor और अमेरिकी अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। सर्जियो गोर ने इस बैठक को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि दोनों देशों ने सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने भारत को अमेरिका का महत्वपूर्ण साझेदार भी बताया।

बढ़ते ट्रांसफार्मर फॉल्ट और कार्रवाई से नाराज जूनियर इंजीनियर, प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

सुरेश गांधी

वाराणसी। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन की पूर्वांचल शाखा ने शनिवार को वितरण व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और बढ़ती ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्ता को लेकर प्रबंधन के समक्ष गंभीर चिंता जताई। संगठन के पदाधिकारियों ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के प्रतिनिधि एवं निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) को ज्ञापन सौंपकर विद्युत व्यवस्था से संबंधित ज्वलंत मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। साथ ही निदेशक तकनीकी को भी संवर्ग की समस्याओं से अवगत कराया गया।

ज्ञापन में संगठन ने कहा कि वर्तमान में पर्याप्त संसाधन, सुरक्षा उपकरण और आवश्यक मानव संसाधन के बिना ही विद्युत व्यवस्था का संचालन कराया जा रहा है। इससे एक ओर जहां वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षतिग्रस्ता लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर दुर्घटनाओं की घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है। संगठन ने मांग उठाई कि ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए और तकनीकी मानकों के अनुरूप आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि विद्युत कर्मचारियों और अवर अभियंताओं के विरुद्ध कई मामलों में समुचित जांच के बिना दंडात्मक कार्यवाही की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। पदाधिकारियों ने ऐसी कार्यवाहियों पर तत्काल रोक लगाने और निष्पक्ष जांच व्यवस्था लागू करने की मांग की।

'फीस बढ़ाने के लिए स्कूलों को नहीं है सरकारी मंजूरी की जरूरत', दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 23 मई। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी के निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के पक्ष में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि इन स्कूलों को नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत से पहले अपनी फीस बढ़ाने के लिए शिक्षा निदेशालय से किसी भी प्रकार की पूर्व मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है,।

जस्टिस अनूप जयराम भंबानी ने डीपीएस वसंतकुंज समेत कई स्कूलों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा

कि दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम के तहत स्कूलों की जिम्मेदारी केवल इतनी है कि वे सत्र शुरू होने से पहले अपनी प्रस्तावित फीस का विवरण निदेशालय को सौंप दें,। अदालत ने निदेशालय की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि विभाग ने बिना किसी ठोस आधार के स्कूलों पर मुनाफाखोरी के आरोप लगाए और कानूनी आदेशों की अनदेखी की,।

अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि स्कूलों द्वारा विकास और विस्तार के लिए 'उचित अधिशेष'रखना मुनाफाखोरी नहीं माना जा सकता। कोर्ट के अनुसार, शिक्षा निदेशालय स्कूलों के वित्तीय मामलों का 'माइक्रो मैनेजमेंट' नहीं कर सकता।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• MHT-CET
• NEET
• Polytechnic & Engg
• JEE (Main & Advance)
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आदिवासी मौन क्रांति के महानायकः गणि राजेन्द्र विजय

-ललित गर्ग

समाज परिवर्तन के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो मंचों की चकाचौंध, प्रचार के कोलाहल और सम्मान की आकांक्षाओं से दूर रहकर भी अपने कार्यों से युग की दिशा बदल देते हैं। वे न तो प्रसिद्धि के भूखे होते हैं, न राजनीतिक शक्ति के प्रदर्शन के इच्छुक। उनका जीवन ही उनका संदेश बन जाता है और उनका मौन कर्म ही उनकी पहचान। ऐसे ही व्यक्तित्व हैं गणि राजेन्द्र विजयजी, जिन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, अहिंसक चेतना के प्रसार और संस्कार आधारित सामाजिक पुनर्निर्माण के माध्यम से एक ऐसी परिवर्तन-धारा प्रवाहित की है, जो आज अनेक क्षेत्रों में आशा की नई किरण बनकर उभर रही है। आज जब समाज का बड़ा हिस्सा प्रदर्शन, प्रचार और शक्ति-प्रदर्शन की मानसिकता से प्रभावित है, तब गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य हमें यह विश्वास दिलाता है कि बिना शोर किए भी इतिहास रचा जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन को आदिवासी समाज के पुनर्जागरण के लिए समर्पित कर दिया। यह समर्पण केवल भाषणों या घोषणाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धरातल पर उसके ठोस परिणाम दिखाई देते हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ और राजस्थान के अनेक आदिवासी क्षेत्रों-कंवाट, बलद, रंगपुर, बोडेली और अन्य अंचलों में सामाजिक परिवर्तन की जो नई तस्वीर दिखाई देती है, वह इसी तप, त्याग और दूरदर्शिता का परिणाम है।

आदिवासी समाज को अक्सर विकास की मुख्यधारा से दूर माना गया है। इतिहास गवाह है कि इस समाज को लंबे समय तक उपेक्षा, अभाव, शोषण और विस्थापन का सामना करना पड़ा। उनके संसाधनों का उपयोग तो हुआ, पर उनके जीवन में समृद्धि नहीं पहुंची। उनके जंगल, जल और जमीन पर अधिकारों की लड़ाइयां चलती रहीं, लेकिन उनके आंसुओं को समझने वाले बहुत कम मिले। ऐसे समय में यदि कोई संत उनके बीच जाकर उन्हें आत्मविश्वास, शिक्षा, संस्कार और अहिंसा का मार्ग दिखाए, तो वह केवल सेवा नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्जन्म का कार्य है। गणि राजेन्द्र विजयजी ने यही किया। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं माना, बल्कि क्षमता और संभावनाओं से भरे समुदाय के रूप में देखा। उन्होंने उनमें आत्मसम्मान जगाया, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि विकसित की और यह विश्वास पैदा किया कि वे भी राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। उनके प्रयासों का एक महत्वपूर्ण आयाम है-ह्लसुखी परिवार अभियानह्व। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली पाठशाला है। यदि परिवार टूटते हैं तो समाज बिखरता है और यदि परिवार मजबूत होते हैं तो राष्ट्र मजबूत होता है। इसी सोच के साथ सुखी परिवार फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2006 से संचालित यह अभियान समाज में संस्कार, संवाद और समरसता का वातावरण निर्मित कर रहा है।

मुझे इस अभियान से प्रारंभ से जुड़ने और संस्थापक महामंत्री से लेकर वर्तमान में अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। इस यात्रा में मैंने निकट से देखा है कि गणिजी परिवार को समाज परिवर्तन की मूल इकाई मानते हैं। उनका स्पष्ट विचार है कि यदि माता-पिता संस्कारवान होंगे, तो बच्चों में स्वतः चरित्र, अनुशासन और नैतिकता का विकास होगा। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक संकट की है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, लेकिन संवेदनाएं घट रही हैं। शिक्षा का विस्तार हुआ है, पर संस्कारों का क्षरण भी तेज हुआ है। आधुनिकता की दौड़ में परिवारों का संवाद टूट रहा है और बच्चे दिशाहीनता की ओर बढ़ रहे हैं। यदि बाल पीढ़ी संस्कारों से वंचित हो गई, तो उसका प्रभाव केवल परिवार तक सीमित नहीं रहेगा; वह पूरे समाज और राष्ट्र के चरित्र को प्रभावित करेगा। यही कारण है कि गणि राजेन्द्र विजयजी बच्चों और युवाओं के चरित्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। वे मानते हैं कि भारत का भविष्य केवल तकनीकी विकास से सुरक्षित नहीं होगा, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से ही सशक्त बनेगा।

आज भारत को केवल आर्थिक क्रांति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक क्रांति की आवश्यकता है। यह कार्य केवल सरकारी तंत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सरकारें सड़कें, भवन और योजनाएं बना सकती हैं, लेकिन संस्कारों का निर्माण समाज और परिवार ही कर सकते हैं। वास्तविक शिक्षा वही है जो व्यक्ति को मनुष्य बनाए, उसमें संवेदना जगाए, जिम्मेदारी का बोध कराए और उसे जीवन के प्रति नैतिक दृष्टि दे। केवल डिग्रियां समाज को महान नहीं बनातीं, चरित्र बनाता है। यदि शिक्षा के साथ संस्कार नहीं जुड़े, तो ज्ञान भी विनाश का कारण बन सकता है। आदिवासी क्षेत्रों में गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा किए गए प्रयास इसी दिशा में एक उज्ज्वल प्रयोग हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि समाज के सबसे उपेक्षित वर्गों तक प्रेम, शिक्षा और अवसर पहुंचाए जाएं, तो वे हिंसा से अहिंसा और निराशा से विकास की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि जिन क्षेत्रों में कभी हिंसा, संघर्ष, भय और वैमनस्य की स्थितियां बनी रहती थीं, वहां आज संवाद, सहयोग और शांति का वातावरण विकसित हुआ है। यह परिवर्तन किसी प्रशासनिक दबाव या राजनीतिक हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शक्ति और मानवीय विश्वास से संभव हुआ। कई अवसर ऐसे आए जब विभिन्न विरोधी समूह हिंसक संघर्ष की स्थिति में थे। वातावरण तनावपूर्ण था और जनहानि की आशंका थी। ऐसे समय में गणि राजेन्द्र विजयजी ने केवल मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभाई, बल्कि अपने आध्यात्मिक प्रभाव, विश्वास और संवाद की शक्ति से विरोधी पक्षों को एक मंच पर लाने में सफलता प्राप्त की। यह कार्य साधारण नहीं है। जहां हथियार बोलते हों, वहां प्रेम की भाषा स्थापित करना किसी चमत्कार से कम नहीं। हिंसा से घिरे क्षेत्रों को अहिंसा की दिशा में मोड़ देना वास्तव में सामाजिक क्रांति है।

आज देश के सामने नक्सलवाद, माओवाद, आतंकवाद और अलगाववाद जैसी अनेक चुनौतियां हैं। इन समस्याओं के समाधान प्रायः राजनीतिक दृष्टिकोण से खोजे जाते हैं, लेकिन अनुभव यह बताता है कि केवल राजनीतिक उपाय पर्याप्त नहीं होते। जब तक अभाव, उपेक्षा और असमानता समाप्त नहीं होगी, तब तक समस्या की जड़ बनी रहेगी। हिंसा की भूमि अक्सर भूख, बेरोजगारी और उपेक्षा से तैयार होती है। जब व्यक्ति की मूल आवश्यकताएं अधूरी रहती हैं, तब उसके भीतर असंतोष जन्म लेता है। ऐसे में केवल सिद्धांत या भाषण समाधान नहीं बन सकते। जब किसी को रोटी चाहिए, तब उसे दर्शन नहीं, पहले भोजन चाहिए। जब जीवन में सम्मान और अवसर नहीं हों, तब आदर्शों की बातें खोखली लगने लगती हैं। इसलिए सामाजिक परिवर्तन की शुरूआत मनुष्य की मूल आवश्यकताओं और उसकी गरिमा से होनी चाहिए। गणि राजेन्द्र विजयजी ने इस सत्य को समझा। उन्होंने आदिवासी समाज को केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि उन्हें जीवन जीने का आधार दिया-प्यार, करुणा, आत्मविश्वास और सहारा। वास्तव में आदिवासी समाज के भीतर अपार संभावनाएं हैं। उनके जीवन में प्रकृति से जुड़ाव है, श्रम की संस्कृति है, सामूहिकता की भावना है और जीवन के प्रति सहज दृष्टि है। लेकिन बाहरी शक्तियों ने कई बार उनके उजालों को छीनने का प्रयास किया। आज भी उनके सामने बाहरी चुनौतियों से अधिक भीतरी संकट हैं-हिंसा, अलगाव, नशा, अशिक्षा और सामाजिक विघटन। इन चुनौतियों का समाधान केवल कानून या राजनीति नहीं कर सकती। इसके लिए समाज के भीतर प्रकाश जगाने की आवश्यकता है। गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य उसी प्रकाश का अवतरण है। उन्होंने आदिवासी उत्थान को अपने जीवन का संकल्प ही नहीं, अपनी साधना बना लिया है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि यदि सेवा में समर्पण हो, दृष्टि में करुणा हो और लक्ष्य में मानवता हो, तो परिवर्तन अवश्य संभव है। आज आवश्यकता है कि ऐसे प्रयोगों को व्यापक बनाया जाए। देश के अन्य हिंसाग्रस्त और उपेक्षित क्षेत्रों में भी इस मॉडल को अपनाया जाए, जहां विकास केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि मनुष्यता के स्पर्श से हो। वास्तविक राष्ट्र निर्माण संसदों में कम और समाज की आत्मा में अधिक होता है। जब परिवार संस्कारित होंगे, समाज अहिंसक होगा और उपेक्षित वर्ग सम्मान के साथ खड़े होंगे, तभी भारत अपने वास्तविक स्वरूप में विकसित और शक्तिशाली बन सकेगा। सचमुच, आदिवासी अंचल में एक नई रोशनी उतर रही हैकृयह रोशनी केवल गांवों को नहीं, बल्कि पूरे समाज की दिशा को आलोकित करने की क्षमता रखती है प्रेषकः

एक शब्द और लाखों प्रतिक्रियाएं, युवाओं पर चढ़ा काकरोच का रंग

-सुरेश गांधी

आज के समय में यह तय करना मुश्किल हो गया है कि देश में सबसे तेज क्या दौड़ता है, इंटरनेट की गति, सोशल मीडिया की रफ्तार या फिर कोई नया ट्रेंड। कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो आते हैं, कुछ दिनों तक चर्चा में रहते हैं और फिर धीरे-धीरे गायब हो जाते हैं। लेकिन कुछ शब्द केवल ट्रेंड नहीं बनते, वे लोगों की रोजमर्रा की बातचीत में भी जगह बना लेते हैं। इन दिनों ऐसा ही एक शब्द है, ह्लकॉकरोचह्व, जो अचानक युवाओं की भाषा, सोशल मीडिया की पोस्ट और मित्र मंडलियों की बातचीत का हिस्सा बन गया है। कॉलेज कैंपस से लेकर चाय की दुकानों तक, इंस्टाग्राम रील से लेकर फेसबुक पोस्ट और एक्स की बहसों से लेकर व्हाट्सऐप ग्रुपों तक, यह शब्द तेजी से फैलता दिखाई दे रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस शब्द का प्रयोग हर व्यक्ति अपने-अपने अंदाज में कर रहा है। कोई इसे मजाक में इस्तेमाल कर रहा है, कोई व्यंग्य में, कोई मीम बना रहा है तो कोई इसे नए डिजिटल मुहावरे के रूप में देख रहा है

कभी-कभी इतिहास बड़ी घटनाओं से नहीं, छोटे शब्दों से करवट लेता है। इन दिनों देश के डिजिटल गलियारों में एक ऐसा ही शब्द गूंज रहा है, कॉकरोच। यह केवल एक कीट का नाम नहीं रह गया, बल्कि सोशल मीडिया की भाषा में यह विरोध, व्यंग्य और युवाओं की मनःस्थिति का प्रतीक बनता दिख रहा है। किसी अदालत की टिप्पणी से निकला एक शब्द देखते-देखते मीम, पोस्ट, वीडियो और डिजिटल अभियानों में बदल गया। सवाल यह नहीं कि ह्लकॉकरोचह्व ट्रेंड क्यों कर रहा है। असली प्रश्न यह है कि आखिर एक शब्द ने लाखों युवाओं की भावनाओं को इतनी तेजी से क्यों छू लिया? इसका उत्तर बेरोजगारी के आँकड़ों में ही नहीं, बल्कि उस बेचैनी में छिपा है जो प्रतियोगी परीक्षाओं, पेपर लीक, लंबी प्रतीक्षा और अनिश्चित भविष्य के बीच बढ़ रही है। सोशल मीडिया के इस दौर में युवाओं ने विरोध की भाषा बदल दी है। वे सड़कों पर उतरने से पहले मीम बनाते हैं, नारे से पहले हैशटैग लिखते हैं और भाषणों से पहले व्यंग्य का सहारा लेते हैं। इसलिए ह्लकॉकरोचह्व का वायरल होना केवल हास्य नहीं, बल्कि समाज की उस बेचैनी का संकेत भी हो सकता है जिसे सुनने की आवश्यकता है।

युवाओं की दुनिया हमेशा नई चीजों को जल्दी स्वीकार करती रही है। हर पीढ़ी की अपनी पहचान होती है और हर दौर अपनी भाषा भी पैदा करता है। कभी किसी फिल्म का संवाद लोगों की जुबान पर चढ़ जाता था, कभी किसी क्रिकेटर का बयान चर्चा बन जाता था, तो कभी किसी विज्ञापन की पंक्ति पूरे समाज में लोकप्रिय हो जाती थी। लेकिन इंटरनेट के दौर ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। अब महीनों नहीं, घंटों में शब्द जन्म लेते हैं और लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। सोशल मीडिया के आने से अभिव्यक्ति के तरीके बदल गए हैं। पहले किसी विषय पर प्रतिक्रिया देने के लिए लंबा लेख या भाषण जरूरी होता था, लेकिन अब एक तस्वीर, एक छोटा वीडियो या दो लाइन का व्यंग्य बहुत कुछ कह देता है। यही कारण है कि मीम संस्कृति ने नई पीढ़ी के बीच अपनी मजबूत जगह बनाई है। दिलचस्प बात यह है कि आज के युवा गंभीर बातों को भी हल्के अंदाज में कहने लगे हैं। वे सीधे विरोध करने के बजाय हास्य और व्यंग्य के जरिए अपनी बात सामने रखते हैं। यही कारण है कि कोई शब्द अचानक एक व्यापक चर्चा का विषय बन जाता है। डिजिटल दुनिया में किसी भी शब्द की लोकप्रियता के पीछे सिर्फ उसका अर्थ नहीं होता, बल्कि उसकी प्रस्तुति भी होती है। यदि कोई शब्द मजाक पैदा करता है, लोगों को जोड़ता है या तुरंत प्रतिक्रिया देने का माध्यम बनता है, तो वह तेजी से फैलने लगता है। यही कारण है कि इंटरनेट पर हर कुछ दिनों में नए-नए शब्द जन्म लेते दिखाई देते हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि सोशल मीडिया ने भाषा की संरचना भी बदल दी है। अब भाषा केवल किताबों या शब्दकोशों में तय नहीं होती, बल्कि मोबाइल स्क्रीन पर भी तैयार होती है। युवा नई अभिव्यक्तियां गढ़ रहे हैं और वही धीरे-धीरे समाज की भाषा बनती जा रही हैं। हालांकि डिजिटल दुनिया की एक सच्चाई यह भी है कि यहां लोकप्रियता का समय बहुत छोटा होता है। आज जो शब्द हर किसी की जुबान पर है, संभव है कुछ सप्ताह बाद उसकी जगह कोई नया ट्रेंड ले ले। लेकिन उसके पीछे छिपी प्रवृत्ति बनी रहती है, तेजी से बदलती अभिव्यक्ति और संवाद का नया तरीका। ह्लकॉकरोचह्व की चर्चा को केवल एक वायरल शब्द के रूप में देखना शायद पूरी तस्वीर नहीं होगी। यह उस पीढ़ी की सोच, उसकी डिजिटल आदतों और संवाद के बदलते स्वरूप की भी कहानी है जो स्क्रीन पर जीती है, स्क्रीन पर प्रतिक्रिया देती है और कई बार स्क्रीन से ही समाज में नई बहस शुरू कर देती है। आज यह शब्द चर्चा में है, कल कोई दूसरा होगा। लेकिन एक बात स्पष्ट है, डिजिटल युग में शब्दों की यात्रा अब शब्दकोश से नहीं, बल्कि मोबाइल की स्क्रीन से शुरू होती है और फिर समाज तक पहुंचती है। शायद यही नए दौर की सबसे बड़ी पहचान भी है।

शहर से स्क्रीन तक, हर जुबान पर कॉकरोच

कॉलेज कैंपस में चर्चाः- कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के बाहर युवा वर्ग के बीच यह शब्द लगातार सुनाई दे रहा है। कई छात्र इसे मजाकिया अंदाज में इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कुछ इसे सोशल मीडिया पर चल रहे ट्रेंड के रूप में देख रहे हैं। बातचीत के दौरान कई युवाओं ने कहा कि इंटरनेट पर जो चीज लगातार दिखाई देती है, वह सामान्य बातचीत का हिस्सा बन जाती है।

चाय की दुकानों और चैपालों तक पहुंचा ट्रेंडः- कभी राजनीति और क्रिकेट की चर्चा तक सीमित रहने वाली चाय की दुकानों पर भी अब सोशल मीडिया के ट्रेंड जगह बना रहे हैं। शहरों के साथ छोटे कस्बों और बाजारों में भी युवा इस शब्द का जिक्र करते दिखाई दे रहे हैं।

इंस्टाग्राम रील और मीम फैक्ट्री का असरः- शोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में छोटे वीडियो, मीम और व्यंग्यात्मक पोस्ट लगातार साझा किए जा रहे हैं। युवा वर्ग इन्हें तेजी से शेयर कर रहा है। कई बार लोग ट्रेंड की मूल वजह से अधिक उसके हास्य पक्ष से जुड़ते दिखाई देते हैं।

युवाओं ने क्या कहा?:- पहले समझ नहीं आया कि अचानक हर जगह यही शब्द क्यों दिख रहा है, लेकिन जब लगातार वीडियो और पोस्ट दिखने लगे तो दोस्तों की बातचीत में भी शामिल हो गया। छात्र अभिषेक, आजकल सोशल मीडिया पर कोई भी चीज कुछ घंटों में वायरल हो जाती है। कई बार लोग मजाक में इस्तेमाल करते-करते उसे ट्रेंड बना देते हैं। जबकि प्रतियोगी छात्रा श्रेया कहती है पहले फिल्मी डायलॉग चलते थे, अब मीम और ट्रेंड चल रहे हैं। सोशल मीडिया अब नई भाषा बना रहा है। प्रोफेशनल युवा रोहित वर्मा का कहना है यह सब शब्दों का मायाजाल है.

बदल रही है युवाओं की भाषाः आरोप या निष्कर्ष की तरह नहीं, बल्कि विवाद कैसे बना और उसका सार्वजनिक असर क्या हुआह्व के रूप में. ह्लकॉकरोचह्व चर्चा और क्यों बन गए इसके सियासी मायने? राहुल सिंह

चर्चा की शुरूआत कैसे हुई? देश में कॉकरोच शब्द की चर्चा तब तेज हुई जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक मौखिक टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी। वायरल अंशों को लेकर कई जगह यह धारणा बनी कि टिप्पणी बेरोजगार युवाओं को लेकर की गई थी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर मीम, पोस्ट और प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

बाद में क्या आई सफाई?

विवाद बढ़ने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी को गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि उनकी आलोचना युवाओं के लिए नहीं थी, बल्कि कथित फर्जी डिग्री लेकर विभिन्न पेशों में प्रवेश करने वाले लोगों को लेकर थी। उन्होंने यह भी कहा कि देश के युवाओं पर उन्हें गर्व है।

फिर चर्चा इतनी बड़ी क्यों बन गई? डिजिटल दौर में कोई भी शब्द अपने मूल संदर्भ से निकलकर नया अर्थ लेने लगता है। ह्लकॉकरोचह्व भी कुछ ऐसा ही हुआ। यह केवल एक टिप्पणी नहीं रही, बल्कि देखते-देखते मीम संस्कृति, व्यंग्य और युवा प्रतिक्रियाओं का हिस्सा बन गई। सोशल मीडिया पर कई व्यंग्यात्मक अभियान और समूह भी सामने आए।

क्या हैं इसके सियासी मायने? राजनीतिक गलियारों में भी इस शब्द की गूंज सुनाई देने लगी है। टीवी डिबेट, सोशल मीडिया चचाओं और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं में इसे युवा असंतोष, बेरोजगारी, डिजिटल पीढ़ी और अभिव्यक्ति की बदलती भाषा से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि अलग-अलग राजनीतिक पक्ष इसकी अलग-अलग व्याख्या कर रहे हैं।

युवाओं की प्रतिक्रिया क्या कहती है?

दिलचस्प बात यह है कि बड़ी संख्या में युवाओं ने इसे गंभीर राजनीतिक मुद्दे की बजाय डिजिटल अभिव्यक्ति के रूप में अपनाया। कुछ के लिए यह व्यंग्य है, कुछ के लिए इंटरनेट ट्रेंड और कुछ इसे नई पीढ़ी की प्रतिक्रिया की भाषा मान रहे हैं। एक टिप्पणी से निकला शब्द अब केवल शब्द नहीं रहा, बल्कि सोशल मीडिया की भाषा, युवा मनोविज्ञान और राजनीतिक विमर्श के बीच नई बहस का चेहरा बन गया है। रिपोर्टों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी जैसे व्यंग्यात्मक अभियान और मीम्स तेजी से वायरल हुए। बाद में यह भी स्पष्टीकरण दिया गया कि टिप्पणी को व्यापक अर्थ में बेरोजगार युवाओं पर नहीं, बल्कि फर्जी डिग्री वाले लोगों के संदर्भ में कहा गया था। एक लोकतंत्र में शब्द केवल बोले नहीं जाते, वे असर भी छोड़ते हैं। और जब शब्द संस्थाओं से निकलते हैं, तब उनका प्रभाव और व्यापक हो जाता है।

स्टालिन अपनी विचारधारा के साथ आयेंगे बीजेपी के करीब!

-अजय कुमार

चार मई को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद प्रदेश की राजनीतिक हवाएँ अचानक बदल गई थीं। चार मई से पहले प्रदेश में जब भी कहीं कोई सभा सजती थी, तो द्रमुक की झंडियाँ और उसके समर्थकों की उमंग इतनी प्रबल दिखती थी कि विरोधी दल भी चुप रह जाते थे। पर अब वही मंडप, वही लोग और वही भाषण, सब कुछ जैसे किसी अनकहे वादे से खाली पड़ गया हो। विधानसभा के अंदर-बाहर नेता और कार्यकर्ता कह रहे थे कि जो रिश्ता वर्षों से बना रहा, वह अब टूटता दिख रहा है। कांग्रेस ने जहाँ अपने दो विधायकों को थलापति के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनाकर पूछ बढ़ाई, वहीं द्रमुक के सांसदों ने संसद में अलग बैठने के लिए पत्र लिख दिया। शहर के चाय वालों से लेकर सरकारी दफ्तरों तक हर जगह चर्चा इस बात की थी कि क्या द्रमुक सत्ता से कट जाएगी, और क्या उसकी चाल भाजपा की ओर झुकेगी। हाल यह है कि चार मई के बाद द्रमुक नेता और पूर्व सीएम स्टालिन के चेहरे पर निराशा का भाव नजर आने लगा। उनके पास द्रमुक की विरासत का भार था, वह विरासत जिसने दशकों तक दक्षिण की राजनीति को आकार दिया और जिसके साथ आज की नई पीढ़ी भी जुड़ी थी। उन सबके सपने चूर-चूर हो गए। बता दें, द्रमुक तमिलों के विश्वास और दक्षिण के आत्मसम्मान से जुड़ा एक संदेश था। पर अब यही संदेश संदेह में बदलता दिखा, क्योंकि द्रमुक का झुकाव बीजेपी की तरफ नजर आने लगा है। जबकि कुछ समय पूर्व तक द्रमुक नेता परिसीमन के विरोध में बीजेपी के खिलाफ लगातार मोर्चा खोले हुए थे। लोकसभा की सीटें बढ़ाए जाने से भी द्रमुक नाराज था। द्रमुक अक्सर कहा करता था कि नया परिसीमन दक्षिण को नीचा दिखाने की साजिश है। इस मुद्दे पर उन्होंने झंडे उठाए, प्रदर्शन किए और संसद में काले कपड़े पहने। यह उनकी असहमति का प्रतीक था। इसी कारण समर्थक उम्मीद रखते थे कि द्रमुक कभी भी अपने मूल सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगा।

पर राजनीति में सिद्धांतों और संकल्पों के बीच अक्सर व्यावहारिक चुनौतियां आ जाती हैं। द्रमुक के कई पुराने साथी अब अलग खड़े दिखने लगे थे। कुछ नेता, जिनका व्यक्तिगत स्वार्थ और चालाकी लंबे समय से जमी हुई थी, उन्होंने अवसर देख लिया। कांग्रेस के दो विधायकों का मंत्री बन जाना सिर्फ एक संकेत था कि गठबंधन टिकाऊ नहीं रह पाया। और जब द्रमुक के सांसदों ने संसद में अलग बैठने की मांग की, तो बहुतों ने इसे रिश्तों में दरार का प्रतीक माना। मैदान में बैठी जनता भी विभाजित हो गई थी। कुछ स्टालिन के साथ थे, तो कुछ बोले कि यह निर्णय वक्त की मांग हो सकता है। भाजपा ने यह सब देखकर चुपचाप द्रमुक की सोच को परखना शुरू कर दिया। बीजेपी की इस रणनीति को भेदभाव वाला नहीं कहा जा सकता। बीजेपी की नजर लगातार दक्षिण में ताकत बढ़ाने पर लगी थी। अगर द्रमुक केंद्र में सहयोग दे दे, तो इसे एक बड़ी जीत माना जाएगा। भाजपा को भी पता है कि यह आसान नहीं होगा। द्रमुक के लिए दो ऐसे प्रश्न थे, जिन पर समझौता असंभव जैसा दिखता है। पहला परिसीमन का मुद्दा और दूसरा दक्षिण के प्रतिनिधित्व का सिद्धांत। द्रमुक के समर्थक हमेशा दक्षिण की अस्मिता और अधिकार की बात करते रहे थे। इसलिए स्टालिन के लिए भाजपा के साथ नजदीकी बनाना एक जोखिम था, क्योंकि इससे उसके विश्वासपात्र और समर्थक नाराज हो सकते थे। लेकिन इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि द्रमुक बीजेपी सरकार के साथ रह चुकी है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय भी ऐसे मौके आए थे, पर तब की राजनीति और आज की राजनीति में जमीन अलग है। स्टालिन ने महसूस किया कि इतिहास बार-बार लौटता है, पर परिस्थितियां बदल जाती हैं। क्या वे पुराने रिश्तों को नए संदर्भ में जिंदा कर सकते हैं? क्या यह उनके लिए राजनीतिक उत्तराधिकार का सवाल बन सकता है? बहरहाल, सूत्र बताते हैं कि उनके राजनीतिक सलाहकारों ने उनके सामने कई विकल्प रखे। कुछ ने कहा कि केंद्र के साथ कामकाजी रिश्ते बनाए जाएँ, समर्थन मुद्दों पर दिया जाए, पर खुले तौर पर गठबंधन न किया जाए। कुछ ने चेतावनी दी कि ऐसा करने पर पार्टी के पारंपरिक वोट बैंक में दरार आ सकती है। स्टालिन को समझना होगा कि दक्षिणी जनमानस के लिए सम्मान और स्वाभिमान क्या मायने रखते हैं। किसी भी प्रकार का समझौता अगर उस स्वाभिमान को चोट पहुँचाएगा, तो इसकी कीमत बहुत भारी होगी। दूसरी ओर भाजपा के लोग भी सक्रिय हो गए। उसके सांसदों ने चुपचाप द्रमुक से संपर्क बढ़ा लिया है, और बीजेपी कह रही है कि देश के हित में मुद्दों पर साथ काम करना बुरा नहीं है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि राजनीतिक विरोध से अलग नीति निर्माण और विकास के लिए सहयोग आवश्यक है। इस तरह की बातों से स्टालिन के कुछ सहयोगी प्रभावित हुए, पर भीतर की औपचारिक आलोचना तेज थी। कार्यकर्ता और युवा नेता सोशल मीडिया पर लड़ते-लड़ते थक नहीं रहे थे। हर तरफ सवाल उठ रहे थे क्या द्रमुक ने अपना आत्मविश्वास खो दिया? क्या स्टालिन अब बड़े राजनीतिक दांव खेलने जा रहे हैं?

उधर, द्रमुक सुप्रीमो की सोच के चलते स्थानीय स्तर पर इस सबका दिन-ब-दिन अधिक जमीनी असर दिखने लगा है। कुछ जिलों में द्रमुक के पारंपरिक समर्थक नाराज होकर छोटी स्थानीय समितियों का गठन कर रहे थे। वहीं कुछ प्रभावशाली व्यवसायी और उद्योगपति यह सोच रहे थे कि अगर द्रमुक केंद्र के साथ मिलकर काम करता है, तो व्यापारिक हितों में स्थिरता आएगी। यह विरोधाभास द्रमुक के विचारों को और जटिल बना रहा था। आखिरकार स्टालिन ने एक मुश्किल निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि द्रमुक का मार्ग स्पष्ट रहेगा, राज्य का प्रतिनिधित्व और अधिकार सर्वोपरि होंगे, पर यदि राष्ट्रीय मुद्दों में कोई स्पष्ट लाभ दिखे, तो स्थिति के अनुरूप बातचीत की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परिसीमन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यह निर्णय कुछ हद तक सुलह का संदेश था। उन्होंने खुला दरवाजा रखा, पर अपनी नींव नहीं छोड़ी। लेकिन उनका यह फैसला हर किसी को संतुष्ट नहीं कर सका। कुछ नेता चाहते थे कि द्रमुक पूरी तरह से कट जाए और कड़ाई से भाजपा का विरोध करे। कुछ चाहते थे कि द्रमुक केंद्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए चालाकी से कदम बढ़ाए। पर राजनीतिक जीवन में हर निर्णय की तरह यह भी संतुलन का निर्णय था। कभी-कभी सार्वभौमिक संतोष असंभव होता है। लब्बोलुआब यह है कि समय के चक्र ने दिखा दिया कि राजनीति धारा जैसी है। यह बहती है, मोड़ लेती है और फिर नई दिशा में बहने लगती है। द्रमुक का भविष्य अब इस बात पर निर्भर करेगा कि वह कैसे अपने सिद्धांतों और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाए रखता है। एक बात स्पष्ट है कि लोगों की नजरें अब अधिक तीव्र हो गई हैं। हर नेता की चाल, हर समर्थन और हर पल की समीक्षा होने लगी है। और जब देश की राजनीति की बड़ी किताबें लिखी जाएगी, तो यह अध्याय भी उसी तरह एक सबक की तरह रहेगा कभी असमान नजरों में टूटना, कभी जुड़ने की कोशिशें, और हमेशा सत्ता और सिद्धांत के बीच जटिल संतुलन की खोज।

जनस्वास्थ्य पर बाजार का बढ़ता कब्जा

-प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य केवल चिकित्सा सेवा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का विषय भी है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य स्तर से मापी जाती है। यदि समाज का बड़ा हिस्सा उपचार, दवाइयों, पोषण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रह जाए, तो आर्थिक विकास के दावे खोखले साबित होते हैं। दुर्भाग्य से पिछले कुछ दशकों में भारत सहित विश्व के अनेक देशों में स्वास्थ्य क्षेत्र का तेजी से बाजारीकरण हुआ है। स्वास्थ्य सेवा, जो मूलतः मानव अधिकार मानी जानी चाहिए थी, धीरे-धीरे लाभ कमाने वाले उद्योग में बदलती चली गई। निजी अस्पतालों, महंगी दवाओं, बीमा-आधारित उपचार और कॉरपोरेट चिकित्सा व्यवस्था ने आम नागरिक, विशेषकर गरीब और ग्रामीण वर्ग, को स्वास्थ्य सुविधाओं से दूर कर दिया है। ऐसे समय में भारतीय राज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है कि वह सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करे और जमीनी स्तर तक उसकी पहुँच सुनिश्चित करे।

भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या असमानता है। महानगरों में अत्याधुनिक अस्पताल और सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जबकि दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पर्याप्त डॉक्टर, दवाइयाँ और उपकरण नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुँच किसी भी लोकतांत्रिक राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। लेकिन भारत में स्थिति यह है कि लाखों लोग केवल आर्थिक अभाव के कारण उपचार नहीं करा पाते। निजी अस्पतालों का खर्च इतना अधिक है कि एक गंभीर बीमारी पूरे परिवार को गरीबी में धकेल सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों की रिपोर्टें बताती हैं कि भारत में स्वास्थ्य पर होने वाला ह्लआउट ऑफ पॉकेट एक्सपेंडिचरह्व अभी भी बहुत अधिक है। इसका अर्थ है कि लोगों को इलाज का बड़ा हिस्सा अपनी जेब से देना पड़ता है। यही बाजारीकरण का सबसे खतरनाक परिणाम है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सबसे पहले राज्य को प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना होगा। भारत के गाँवों और छोटे कस्बों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। लेकिन अधिकांश केंद्रों में डॉक्टरों की कमी, दवाइयों का अभाव, खराब भवन और उपकरणों की कमी जैसी समस्याएँ बनी रहती हैं। सरकार को स्वास्थ्य बजट में पर्याप्त वृद्धि करके इन संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना चाहिए। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित डॉक्टर, प्रशिक्षित नर्सें, लैब सुविधाएँ और आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराना अनिवार्य होना चाहिए। यदि प्राथमिक स्तर पर ही रोगों की पहचान और उपचार संभव हो जाए, तो बड़े अस्पतालों पर दबाव कम होगा और गरीब लोगों को शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण भी आवश्यक है। केवल जिला अस्पतालों पर निर्भर रहने से दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकारों को पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना चाहिए। आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेवाएँ और सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को मजबूत बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और प्राथमिक उपचार को बढ़ावा दिया जा सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। यदि इन कार्यकताओं को बेहतर प्रशिक्षण, सम्मानजनक वेतन और संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, तो वे स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुँचाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक का उपयोग भी जमीनी स्तर पर पहुँच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। टेलीमेडिसिन, मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड जैसी व्यवस्थाएँ दूरदराज क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएँ उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। भारत में कई ऐसे गाँव हैं जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों का पहुँचना कठिन है। ऐसे क्षेत्रों में ऑनलाइन परामर्श और डिजिटल डायग्नोस्टिक सेवाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि तकनीक को मानव संपर्क का विकल्प नहीं, बल्कि सहयोगी माध्यम के रूप में विकसित करना होगा। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के साथ स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति भी जरूरी है ताकि कम साक्षरता वाले लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

सस्ती और सार्वभौमिक दवा उपलब्धता भी सार्वजनिक स्वास्थ्य विस्तार का एक आवश्यक पहलू है। निजी बाजार में दवाइयों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। राज्य को जनऔषधि केंद्रों का विस्तार करना चाहिए और आवश्यक दवाओं की मूल्य-नियंत्रण नीति को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लोगों के लिए मुफ्त या अत्यंत सस्ती दवाओं की उपलब्धता स्वास्थ्य असमानता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों में आवश्यक जाँच सुविधाएँ और दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि लोगों को निजी प्रयोगशालाओं और मेडिकल स्टोरों पर निर्भर न रहना पड़े। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए मानव संसाधन की कमी भी एक बड़ी चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों और विशेषज्ञों की भारी कमी बनी रहती है क्योंकि अधिकांश चिकित्सक शहरी क्षेत्रों में कार्य करना पसंद करते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार को ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ बनानी चाहिए। मेडिकल छात्रों के लिए ग्रामीण सेवा

कल्याण-शील मार्ग पर गिरी टूटी टाइलों की तत्काल सफाई, नागरिकों ने जताया संतोष

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शील मार्ग पर एक्सपिरिया मॉल फ्लाईओवर के पास शुक्रवार सुबह सड़क पर टूटी हुई टाइलों का बड़ा ढेर गिरने से यातायात के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। सड़क पर मलबा फैल जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और दुर्घटना की आशंका भी जताई जा रही थी।

घटना की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आते ही केडीएमसी की ठेकेदार कंपनी सुमित एल्कोप्लास्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। कंपनी की टीम ने मशीनों की मदद से मौके पर पहुंचकर सड़क पर फैले टाइलों के मलबे को हटाया और पूरे क्षेत्र की सफाई की।

इसके अलावा, टाइलों का बारीक चूरा वाहनों की आवाजाही के दौरान उड़कर लोगों की आंखों में न जाए, इसके लिए सड़क पर पानी का छिड़काव कर उसे अच्छी तरह धोया गया। सफाई कार्य पूरा होने के बाद मार्ग को दोबारा सुरक्षित रूप से यातायात के लिए खोल दिया गया। समय रहते की गई इस कार्रवाई से संभावित दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित एजेंसी की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया। लोगों का कहना है कि यदि समय पर सफाई नहीं की जाती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर की गई कार्रवाई की क्षेत्रवासियों ने प्रशंसा की है।

मीरा-भायंदर साइबर पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट ठगी का किया पर्दाफाश, 18 .97 लाख रुपये की राशि बरामद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर साइबर पुलिस स्टेशन ने डिजिटल अरेस्ट के जरिए की गई आर्थिक धोखाधड़ी का सफलतापूर्वक पदार्फाश करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा ठगी गई 18,97,216 रुपये की राशि बरामद करने में सफलता प्राप्त की है प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता श्रीमती वर्मा, जो नयानगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र की निवासी हैं, को व्हाट्सएप पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा वीडियो कॉल किया गया। कॉल करने वाले ने स्वयं को अधिकारी बताते हुए दावा किया कि शिकायतकर्ता का नाम नरेश गोयल मामले में जुड़ा हुआ है। इसके बाद जांच से बचाने के नाम पर शिकायतकर्ता से पैसों की मांग की गई। डर के कारण शिकायतकर्ता ने आरोपी द्वारा बताए गए बैंक खातों में ऑनलाइन बड़ी रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में जांच करने पर शिकायतकर्ता को अपने साथ आर्थिक धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ। इस संबंध में नयानगर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 015/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया तथा 13 जनवरी 2026 को साइबर पुलिस स्टेशन में भी शिकायत दर्ज की गई। शिकायत एनसीसीआरपी पोर्टल क्रमांक 31901260016093 पर भी पंजीकृत की गई। साइबर पुलिस स्टेशन में आवेदन क्रमांक 040 बी/2026 प्राप्त होने के बाद जांच शुरू की गई। शिकायतकर्ता द्वारा एनसीसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के बाद धोखाधड़ी से प्राप्त राशि को विभिन्न बैंक खातों में फ्रीज कराया गया। जांच के दौरान उन बैंक खातों की जानकारी प्राप्त हुई, जिनमें शिकायतकर्ता की राशि ट्रांसफर की गई थी। लगातार पत्राचार के बाद 12 संदिग्ध बैंक खातों में से 4 खातों में राशि रोक दी गई तथा खाताधारकों की जानकारी प्राप्त की गई। शिकायतकर्ता को धनवापसी के लिए माननीय न्यायालय में याचिका दायर करने के निर्देश दिए गए। शिकायतकर्ता की याचिका के आधार पर साइबर पुलिस ने न्यायालय में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके बाद न्यायालय के आदेशानुसार कार्रवाई करते हुए करीब 5 माह की लगातार मेहनत के बाद 4 बैंकों के माध्यम से शिकायतकर्ता की 18,97,216 रुपये की पूरी राशि वापस दिलाई गई। जांच के दौरान संदिग्ध बैंक खाताधारकों की जानकारी मिलने के बाद साइबर पुलिस की टीम ने केरल जाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध का खुलासा किया। साइबर पुलिस द्वारा नागरिकों के लिए जारी **सावधानियां :** पुलिस अधिकारी, सरकारी कर्मचारी या बैंक अधिकारी फोन अथवा एसएमएस के माध्यम से पैसे की मांग नहीं करते। किसी भी अज्ञात व्यक्ति की पहचान सत्यापित किए बिना बैंकिंग लेनदेन न करें।फोन कॉल या वीडियो कॉल पर स्वयं को अधिकारी बताने वाले व्यक्तियों पर बिना पुष्टि भरोसा न करें।फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम या टेलीग्राम पर भारी मुनाफे का दावा करने वाले विज्ञापनों से सावधान रहें। क्रिप्टोकरेंसी या म्यूचुअल फंड में निवेश से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें।अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। यदि ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हों, तो तुरंत बैंक एवं पुलिस से संपर्क करें। मीरा-भायंदर व वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके साथ इस प्रकार की कोई घटना होती है, तो तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही ६६६.र्ङ्घ्रीŠ१र्१.द्दश्1.्रठ्ठ अथवा हेल्पलाइन नंबर 1930/1945 पर संपर्क करें। उक्त कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल, प्रभारी अधिकारी साइबर पुलिस ठाणे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रकाश सावंत, सपोनि स्वप्निल वव्हाल, माणिकराव कटुरे, वैभव धनवाड़े, माधुरी धिंडे सुवर्णा माली, शुभम कांबले, राहुल वन, विलास खटीक तथा राजेश भरकड़े सहित साइबर पुलिस टीम द्वारा की गई।

फर्जी आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग ऐप ठगी में साइबर पुलिस ने 3 .50 लाख रुपये वापस दिलाए

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की साइबर पुलिस टीम ने फर्जी आईपीओ और ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग ऐप के माध्यम से हुई आर्थिक धोखाधड़ी के मामले में शिकायतकर्ता को 3,50,000 रुपये की राशि वापस दिलाने में सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता श्री भाटिया, जो काशिमीरा पुलिस थाना क्षेत्र के निवासी हैं, ने सोशल मीडिया पर आईपीओ आवेदन और ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर अधिक लाभ कमाने का विज्ञापन देखा। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के बाद शिकायतकर्ता को एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया तथा शेयर ट्रेडिंग ऐप के माध्यम से निवेश करने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता ने बताए गए ऐप के जरिए राशि जमा कर निवेश किया। कुछ दिनों बाद जब उन्होंने निवेश की गई राशि निकालने का प्रयास किया, तो उन्हें कोई रकम प्राप्त नहीं हुई। इसके बाद उन्हें अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ और उन्होंने साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होते ही आवेदन क्रमांक 311-बी/2026 के तहत मामला पंजीकृत किया गया तथा एनसीसीआरपी पोर्टल क्रमांक 31904260073232 पर ऑनलाइन रिकॉर्ड दर्ज किया गया।

कल्याण के पास म्हारळ में युवक की हत्या, अंधेरे में घात लगाकर बैठे थे आरोपी; पुलिस ने एक घंटे में 3 आरोपियों को दबोचा

चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के निकट महारल गांव में एक 30 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रविंद्र आहिरे के रूप में हुई है। यह सनसनीखेज वारदात मलखन कंपाउंड इलाके में हुई। मामले की जानकारी मिलते ही टिटवाला पुलिस कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक डांगे, विजय भिडे और परशुराम भिडे के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ टिटवाला पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

छेड़छाड़ की घटना बनी हत्या की वजह: पुलिस जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी दीपक डांगे पर आहिरे की मुंहबोली बहन की बेटी के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप था। पीड़िता ने इस घटना की जानकारी अपनी मां को दी थी। इसके बाद महिला ने अपने मुंहबोले भाई रविंद्र आहिरे को पूरी बात बताई। आहिरे ने महिला को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी थी।

जब दीपक डांगे को इसकी जानकारी मिली तो वह आहिरे से नाराज हो गया और उसकी हत्या की

साजिश रच डाली। उसने अपने साथी विजय भिडे और परशुराम भिडे को साथ लेकर आहिरे को रास्ते में रोका और धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल आहिरे की मौके पर ही मौत हो गई।

अंधेरे में घात लगाकर किया हमला: जानकारी के अनुसार रविंद्र आहिरे एक निजी कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार शाम करीब 7 बजे उनकी मां की तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद वे उन्हें अस्पताल लेकर गए। इलाज के बाद मां को घर छोड़ने के पश्चात रात करीब 9 बजे वे किसी निजी काम से दोबारा घर से निकले।

जैसे ही आहिरे मलखन कंपाउंड क्षेत्र में पहुंचे, वहां पहले से अंधेरे में घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और उनकी हत्या कर दी।

एक घंटे में पुलिस ने सुलझाया मामला: टिटवाला पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकेश ढगे को घटना की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी गई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें 26 मई तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

टोटो इंडिया ने नई प्रोडक्ट रेंज लॉन्च की

मुंबई। विश्व प्रसिद्ध जापानी बाथरूम सॉल्यूशन कंपनी टोटो लिमिटेड के भारतीय प्रतिष्ठान टोटो इंडिया ने नई मैट आरपी टॉरनेडो वॉल हंग टॉयलेट को चार आधुनिक मैट रंग विकल्पों में पेश किया, जिससे इसका प्रीमियम बाथरूम पोर्टफोलियो और मजबूत हुआ है। टोटो इंडिया ने अपने दिल्ली शोरूम की सातवीं वर्षगाँठ के मौके पर नई रेंज पेश की। मैट आरपी टॉरनेडो वॉल हंग टॉयलेट मैट ब्लैक, मैट बेज, मैट ग्रे और मैट व्हाइट, इन चार फिनिश में उपलब्ध है। यह उत्पाद एडवांस्ड फ्लशिंग टेक्नोलॉजी को एक सुंदर आर्किटेक्चरल डिजाइन के साथ जोड़ता है। आधुनिक घरों के माहौल में आसानी से फिट होने के लिए बनाए गए इस टॉयलेट में टॉरनेडो फ्लश और सेफियोनटेक्ट तकनीक का उपयोग किया गया है, जो स्वच्छता, दक्षता और साफ प्रदर्शन को पानी की बचत के साथ सुनिश्चित करती है। इस उपलब्धि पर टोटो इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शियोजावा काजुयुकी ने कहा, ॣयह सात साल की यात्रा भारतीय उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की जिंदगी में जापानी इनोवेशन लाने के हमारे संकल्प को दशार्ती है। अपनी नई लॉन्चिंग के साथ हम मानव-केंद्रित दृष्टिकोण से आरामदायक जीवनशैली की अवधारणा को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारी अंडरस्टेटेड प्रेजेंस फिलॉसफी से प्रेरित होकर हम ऐसे उत्पाद बनाते हैं जो उपयोगकताओं की जीवनशैली में सहज रूप से घुल-मिल जाते हैं, उनके आराम को बढ़ाते हैं और उनकी व्यक्तिगत पहचान को केंद्र में रखते हैं। भारत में लग्जरी हाउसिंग और प्रीमियम रियल एस्टेट सेगमेंट में लगातार मजबूत वृद्धि देखी जा रही है और बाथरूम को अब एक व्यक्तिगत कल्याण स्थान के रूप में नए सिरे से देखा जा रहा है। जैसे-जैसे डेवलपर्स अपने उत्पादों का स्तर ऊँचा उठा रहे हैं और घर मालिक आराम-आधारित निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं, टोटो इस बढ़ती माँग को पूरा करने की मजबूत स्थिति में है।

खोणी-पलावा में पुलिस का बड़ा कॉम्बिंग ऑपरेशन, 24 विदेशी नागरिक हिरासत में

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के खोणी-पलावा क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़े कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान 24 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में कुछ विदेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

हिरासत में लिए गए 24 विदेशी नागरिकों में 14 पुरुष, 6 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। इनमें नाइजीरिया के अलावा युगांडा और घाना के नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि हिरासत में लिए गए लोगों में से केवल 7 नागरिकों के पास ही वैध दस्तावेज मौजूद थे। वहीं 8 लोगों के

पास न तो पासपोर्ट मिला और न ही वीजा। इसके अलावा 9 लोगों के पासपोर्ट विभिन्न आपराधिक मामलों के चलते पहले से ही न्यायालय में जमा हैं। पुलिस के अनुसार सभी विदेशी नागरिक बिना किसी किरायानामा (रेंट एग्रीमेंट) के रह रहे थे।

ठाणे और नवी मुंबई पुलिस की संयुक्त कार्रवाई: पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अतुल झेंडे ने बताया कि यह कार्रवाई मानपाडा पुलिस और नवी मुंबई पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। ऑपरेशन में मानपाडा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीपान शिंदे और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि हिरासत में लिए गए विदेशी नागरिक किसी ड्रग्स तस्करी या अन्य अवैध गतिविधियों से जुड़े हैं या नहीं।

साथ ही उन मकान मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है, जिन्होंने बिना रेंट एग्रीमेंट और बिना पुलिस सत्यापन के मकान किराए पर दिए।

फिलहाल सभी हिरासत में लिए गए नागरिकों से पूछताछ जारी है। पुलिस दस्तावेजों की जांच और बैकग्राउंड वेरिफिकेशन के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की पहली बैठक में शामिल हुए मुंबई कांग्रेस के पदाधिकारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद पूरे भारत से 50 सदस्यों की कमेटी बनाई गई है ।आज पहली बैठक का आयोजन नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में किया गया। राहुल गांधी की अध्यक्षता में आयोजित इस मीटिंग में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल, अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी, तारिक अनवर आदि के अलावा मुंबई कांग्रेस के अनेक पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक मे सिख ईसाई, बौद्ध , पारसी मुस्लीम समाज को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने तथा युवाओं को भी कांग्रेस पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया

गया। साथ ही बूथ स्तर पर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने की दिशा में चर्चा की गई। बैठक के दौरान एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी की अध्यक्षता में लीगल विंग सेल बनाया गया और तय किया गया कि देश में किसी भी युवा को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर यह सेल उनके लिए कानूनी लड़ाई लड़ेगा तथा न्याय दिलाने का काम करेगा। इस अवसर पर मुंबई से उपस्थित प्रमुख लोगों में मुंबई अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष फरहान आजमी, पूर्व सांसद मोहम्मद अजहरूद्दीन, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान, विधायक असलम शेख विधायक अमीन पटेल का समावेश रहा।

मीरा-भायंदर पुलिस ने 73.98 लाख रुपये की जब्त शराब व प्रतिबंधित सामग्री नष्ट की

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के जोन-1 अंतर्गत पुलिस द्वारा जब्त की गई घरेलू, विदेशी एवं देसी हाथभट्टी शराब के साथ-साथ प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला और हुक्का सामग्री को नष्ट करने की कार्रवाई की गई। नष्ट की गई सामग्री की कुल कीमत 73,98,221 रुपये बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 मई 2026 को काशिमीरा, काशीगांव, मीरा रोड, नवघर, भायंदर तथा उत्तान पुलिस स्टेशनों में महाराष्ट्र निषेध अधिनियम के तहत कुल 100 मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों में पुलिस ने 4,243 लीटर घरेलू, विदेशी एवं ग्रामीण निर्मित शराब जब्त की थी, जिसकी कुल कीमत 15,83,677 रुपये आंकी गई।

इसके अतिरिक्त, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ठाणे तथा राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ठाणे की उपस्थिति में प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला और हुक्का सामग्री के खिलाफ दर्ज कुल 75 मामलों में जब्त 58,14,544 रुपये मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री को भी नष्ट किया गया। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त, जोन-1 के मार्गदर्शन में तथा माननीय न्यायालय की अनुमति प्राप्त होने के बाद उत्तान डंपिंग ग्राउंड में की गई। पुलिस प्रशासन ने बताया कि अवैध शराब और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पीएस फाउंडेशन को मिला केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का सर्टिफिकेट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक, धार्मिक व शैक्षणिक संस्था पीएस फाउंडेशन द्वारा विगत कई वर्षों से लोगों के स्वास्थ्य के प्रति बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जिसे देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान रूपी सर्टिफिकेट से फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा को सम्मानित किया गया है। और यह सम्मान मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ फैमिली वेलफेयर गवर्मेंट आफ इंडिया के उपनिदेशक द्वारा शुक्रवार को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर सम्मान ग्रहण करते हुए शर्मा ने कहा कि टीबी हारेगा और देश जीतेगा। उन्होंने आगे कहा कि इसके असली हकदार पीएस फाउंडेशन महिला स्वावलंबन समिति की अध्यक्षा स्वीकृति शर्मा और फाउंडेशन की पूरी टीम है। जिसके निष्ठा पूर्वक मेहनत व लगन के कारण यह संभव हो सका है।

फाउंडेशन के लिए गर्व की बात है प्रदीप शर्मा

और यह सम्मान हम सब के लिए गर्व की बात है।

शर्मा ने आगे कहा कि हमारी संस्था बिना रोक टोक पहले से दुगुनी ताकत के साथ अंधेरी पूर्व विधानसभा के लोगों की जीवन रक्षा के लिये इसी तरह से कार्य करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि अभी तक फाउंडेशन द्वारा लाखो लोगों का इलाज किया जा चुका है। और हजारों लोगो को नियमित दवा भी दिया जा रहा है जो शुगर व बीपी से ग्रसित है। अंत में स्वीकृति शर्मा ने केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग का आभार मानते हुए कहा है कि पीएस फाउंडेशन प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में इस अभियान को अनवरत संचालित करता रहेगा। और असहाय व जरूरतमंद लोगों की हमेशा मदत करता रहेगा।

वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय ने सभा गृह नेता को दी बधाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। एडवोकेट रवि व्यास को मीरा भायंदर महानगरपालिका में सभा गृह नेता बनाए जाने पर वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा (उभामो) मीरा भायंदर जिला शहर महामंत्री महेंद्र पाण्डेय ने मनपा कार्यालय पहुंचकर उन्हें बधाई दी। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं विधानसभा 145 के चुनाव प्रमुख रहे एडवोकेट रवि व्यास को पार्टी द्वारा अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने पर कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। सभा गृह नेता बनाए जाने पर एडवोकेट रवि व्यास ने कहा कि वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं मीरा भायंदर के विधायक नरेंद्र मेहता का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को आगे बढ़ाने और जनहित के कार्यों को मजबूती देने के लिए वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने चुनाव प्रमुख की जिम्मेदारी कर्मठता और ईमानदारी के साथ निभाई थी तथा आगे भी पार्टी के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा (उभामो) महामंत्री महेंद्र पाण्डेय ने बताया कि अपनी जन्मभूमि उत्तर प्रदेश जाने के कारण वे पहले बधाई देने नहीं आ सके थे। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवक रत्नाकर मिश्रा एवं समाजसेवक संदीप तिवारी ने भी गुलदस्ता भेंट कर एडवोकेट रवि व्यास को शुभकामनाएं दीं।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया डिविडेंड लीडर्स इंडेक्स पेंशन फंड

मुंबई/पटना। रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि आपने काम करना बंद करने के बाद भी आपका पैसा आपके लिए काम करता रहे। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने 'टाटा एआईए डिविडेंड लीडर्स इंडेक्स पेंशन फंड' लॉन्च किया है। भारत की सबसे ज्यादा डिविडेंड देने वाली मजबूत कंपनियों के जरिए लंबे समय में रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने में ग्राहकों को मदद करने के लिए इसे खास तौर पर डिजाइन किया गया है। यह फंड मार्केट से जुड़े निवेशों में मिलने वाले मुनाफे के साथ-साथ लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षा का भरोसा भी देता है। इस तरह, यह आर्थिक रूप से मजबूत और लगातार आगे बढ़ने वाली कंपनियों के माध्यम से रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए एक अनुशासित तरीका प्रदान करता है।

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

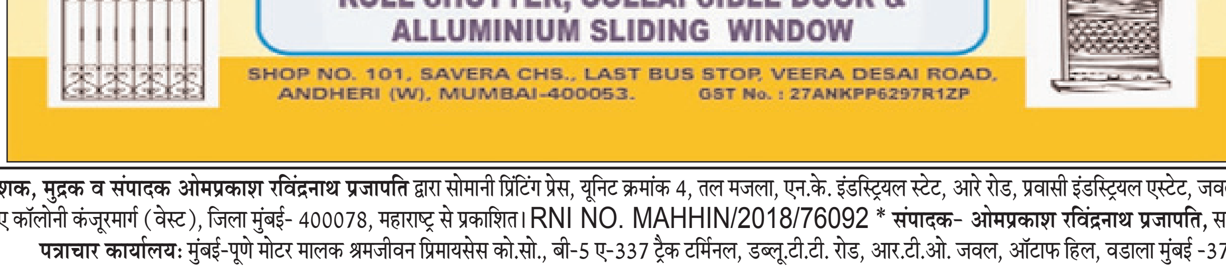

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, **प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रेक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

आजमगढ़ में संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में मिला पति-पत्नी का शव

बेटी ने जताई हत्या की आशंका

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। गंभीरपुर थाना क्षेत्र स्थित गोमाडीह हरिजन बस्ती में शनिवार सुबह बुजुर्ग दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। कमरे के अंदर पति-पत्नी का शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस और फारेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतकों की पहचान श्यामलाल (80) और उनकी पत्नी बसन्ता देवी (70) के रूप में हुई है। बताया गया कि श्यामलाल के चार पुत्र और एक पुत्री हैं तथा सभी बच्चों की शादी हो चुकी है। परिवार की बेटी ने आरोप लगाया कि तीन दिन पहले बुजुर्ग दंपती ने परिवार के सभी सदस्यों को बुलाकर अपनी जमीन-जायदाद का बंटवारा किया था। आरोप है कि बंटवारे के अगले दिन बड़े पुत्र और उसकी पत्नी का किसी बात को लेकर बुजुर्ग दंपती से विवाद हुआ था। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार रात दोनों खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए। शनिवार सुबह छोटी बहू उन्हें जगाने पहुंची तो दोनों बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़े मिले। घटना की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई और परिवार में मातम छा गया। मृतक दंपती की पुत्री ने अपनी बड़ी भाभी पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। गंभीरपुर थाना प्रभारी अमित कुमार त्रिपाठी, एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह और फारेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया परिजनों द्वारा जहर देने का आरोप लगाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गहन जांच कर रही है।

हुमायूं बादशाह ने भारत में पहली बार गाय काटने पर लगाई थी पाबंदी: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने आज पीडीए भवन कटघरा जौनपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश में लंबे समय से गाय के नाम पर जनभावनाओं को भड़काकर समाज में तनाव और दंगे-फसाद कराने की राजनीति की जाती रही है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि इस विषय पर भावनात्मक उन्माद नहीं, बल्कि गंभीर राष्ट्रीय बहस और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए।

उन्होंने कहा कि गौवंश केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि भारत की कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, संस्कृति और सामाजिक संरचना का महत्वपूर्ण आधार रहा है। सदियों तक भारत की अर्थव्यवस्था खेती और पशुधन पर आधारित रही। किसी परिवार की समृद्धि का आकलन उसके पशुधन, बैलों, गायों और खेती से किया जाता था। गांवों में दरवाजे पर खड़े मजबूत बैल किसान की आर्थिक शक्ति और सम्मान का प्रतीक माने जाते थे।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि एक समय ऐसा था जब खेती पूरी तरह बैलों से होती थी। बैलगाड़ियां परिवहन का प्रमुख साधन थीं। ग्रामीण जीवन, कृषि व्यवस्था और स्थानीय व्यापार पूरी तरह पशुधन पर आधारित थे। लेकिन आधुनिक मशीनों, ट्रैक्टरों और तकनीकी संसाधनों के आने के बाद बैलों की उपयोगिता लगातार कम होती चली गई। आज किसान आर्थिक मजबूरी के कारण बैल पालने से पीछे हट रहा है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बैल की उपयोगिता समाप्त हो गई तो भविष्य में गाय भी संकट में पड़ जाएगी, क्योंकि गौवंश का अस्तित्व परस्पर जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि केवल भावनात्मक नारे लगाने से गौवंश की रक्षा संभव नहीं है। इसके लिए आर्थिक मॉडल, वैज्ञानिक नीति और व्यवहारिक समाधान तैयार करने होंगे। उन्होंने देश के सभी धर्माचार्यों, शंकराचार्यों, महामंडलेश्वरों, सामाजिक चिंतकों, कृषि विशेषज्ञों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और विशेष रूप से हिंदू समाज से अपील करते हुए कहा कि इस विषय पर राष्ट्रव्यापी संवाद होना चाहिए कि आधुनिक भारत में बैल की उपयोगिता कैसे बढ़ाई जाए और पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था को कैसे पुनर्जीवित किया जाए।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि भारत की साझा संस्कृति और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए विभिन्न शासकों ने समय-समय पर संवेदनशील विषयों पर संतुलित और संयमित नीतियां अपनाईं। उन्होंने कहा कि प्रथम मुगल सम्राट बाबर ने अपने पुत्र हुमायूं बादशाह को यह सलाह दी थी कि भारत में हिंदू समाज गाय को पूजनीय मानता है, इसलिए सामाजिक सद्भाव और भाईचारे के लिए गाय काटने पर रोक लगाई जाए।

उन्होंने कहा कि इतिहास में उल्लेख मिलता है कि हुमायूं ने सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के उद्देश्य से गाय काटने पर प्रतिबंध की नीति अपनाई थी और मुगल काल के अनेक शासकों ने भी धार्मिक संवेदनशीलता के विषयों पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाया।

मोहम्मद अरशद खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा कि पूरे देश में गाय काटने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए ताकि करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं और आस्था का सम्मान सुनिश्चित हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि बैल को उद्योग का दर्जा दिया जाए तथा पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सरकार राष्ट्रीय स्तर पर नई नीति बनाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वैज्ञानिक, व्यवहारिक और रोजगारपरक नीति तैयार करे तो पशुपालन के क्षेत्र में करोड़ों लोगों को रोजगार मिल सकता है, किसानों की आय बढ़ सकती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और यहां पशुधन आधारित उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। यदि सरकार इस क्षेत्र को संगठित ढंग से विकसित करे तो किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचेगा।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश को नफरत, उन्माद और टकराव की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक सद्भाव, किसानों की आर्थिक मजबूती, पशुधन संरक्षण और राष्ट्रीय विकास की दिशा में ठोस एवं दूरदर्शी नीति बनानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर विषय पर संवाद, बहस और संवैधानिक तरीके से समाधान निकलना चाहिए। केवल राजनीतिक लाभ के लिए समाज को बांटने का प्रयास देशहित में नहीं है। भारत की असली ताकत उसकी गंगा-जमुनी तहजीब, सामाजिक एकता और किसानों की मेहनत में निहित है।

लेखपाल परीक्षार्थियों के लिए सद्भावना क्लब ने लगाया नि:शुल्क जलपान कैम्प

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सद्भावना क्लब जौनपुर द्वारा लेखपाल भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए शिया कॉलेज गेट के पास नि:शुल्क पेयजल एवं मिष्ठान वितरण शिविर लगाया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस जनसेवा कार्य की परीक्षार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने सराहना की।

कैम्प में क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने परीक्षार्थियों को ठंडा एवं शुद्ध पेयजल के साथ मिष्ठान वितरित किया तथा उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखा। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि सद्भावना क्लब हमेशा सामाजिक और जनहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और आगे भी ऐसे सेवा कार्य लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. विवेकानन्द मौर्य ,कोषाध्यक्ष विनीत गुप्ता, सचिव हर्ष माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्ष लालजी यादव, मधुसूदन बैंकर, डॉ. अलमदार नजर, डॉ. एम.पी. बरनवाल, आशीष साहू, निवर्तमान अध्यक्ष मोहम्मद रजा खां, संतोष अग्रहरि, अखिलेश अग्रहरि, ज्ञानेंद्र कुमार पाल, रविंदर यादव, चंद्रेश मौर्य, अंश मौर्या, अवधेश यादव मौर्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महाकाल गैंग के दो वांछित आरोपी गिरफ्तार, प्राणघातक हमले के मामले में कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सरायख्वाजा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने प्राणघातक हमला करने वाले महाकाल गैंग के दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सिद्धीकपुर तिराहे से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में राजन यादव उर्फ बन्टी पुत्र जयप्रकाश यादव निवासी जंगीपुर कला थाना सरायख्वाजा तथा शिवा यादव पुत्र राजबहादुर यादव उर्फ नन्हे निवासी उडली थाना सरायख्वाजा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी विभिन्न मुकदमों में वांछित चल रहे थे।

पुलिस ने बताया कि राजन यादव उर्फ बन्टी के खिलाफ थाना सरायख्वाजा में प्राणघातक हमला, मारपीट और अन्य धाराओं में तीन मुकदमे दर्ज हैं। वहीं शिवा यादव के खिलाफ भी संबंधित धाराओं में मुकदमे पंजीकृत हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ उपनिरीक्षक बृजेश सिंह, हेड कांस्टेबल विजय शंकर मौर्य, शेषनाथ यादव एवं शशिप्रकाश सिंह शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया है।

बिजली कटौती से आक्रोशित कांग्रेसियों ने उपजिलाधिकारी का किया घेराव

गैस एजेंसियों पर लम्बी लाइनें और भीषण बिजली कटौती सरकार की नाकामियों का परिणाम: डा.प्रमोद कुमार सिंह

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अघोषित बिजली कटौती और गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं को हो रही परेशानियों के खिलाफ आक्रोशित कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उपजिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर जिलाधिकारी जौनपुर को नामित मांगों से संबंधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि मछलीशहर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती से जनजीवन बेहाल हो गया है, हर तरफ हाहाकार और सरकार के खिलाफ आक्रोश व्याप्त हो गया है। चौबीस घंटे में मात्र दस घंटे बिजली सप्लाई किया जाना जनता के साथ धोखा और अन्याय है। अत्यधिक जानलेवा उमस भरी गर्मी को देखते हुए चौबीस घंटे बिजली सप्लाई दिए जाने की मांग करते हुए डा. प्रमोद कुमार सिंह ने गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं को हो रही भारी असुविधा और रोज लगने वाली लम्बी कतारों पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन जानबूझकर जनता को परेशान कर रही है लोग अपना काम धंधा छोड़कर गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने

के लिए मजबूरन लाइन में खड़े हो रहे हैं। डॉ प्रमोद कुमार सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी संचालकों की मिलीभगत से गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी हो रही है बिचौलियों और दलालों ने एजेंसी पर कब्जा जमा लिया है किंतु स्थानीय प्रशासन आंख मूंदे बैठा हुआ है।जिला सचिव जब्बार अली सलमानी ने शासन प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिजली, पानी और गैस सिलेंडरों की समस्या सरकार की विफल नीतियों का नतीजा है, एक तरफ बढ़ती बेतहाशा महंगाई से गरीब, मजदूर और मध्यम वर्ग की कमर टूट चुकी है तो दूसरी तरफ बिजली पानी और गैस की समस्या से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। धरना प्रदर्शन का अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस कमेटी मछलीशहर के अध्यक्ष मुहम्मद सैफ ने किया व संचालन नगर अध्यक्ष आरिफ सलमानी ने किया।

इस मौके पर जिला सचिव एडवोकेट सन्तोष पांडेय, ब्लॉक अध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, मुँगरा ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमारी मिश्रा, लहरी नेता, मोहम्मद इब्राहिम, अफरोज अली, जगदीश श्रीवास्तव, इरशाद खान, जनार्दन दूबे, नन्हे शेख, रघुनाथ श्रीवास्तव, अनीस अली, शाहिद अली, कुर्बान अली आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने कई राज्यों में पिछड़ों का आरक्षण घटाया: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सदर मोहम्मद अरशद खान ने भाजपा सरकार पर पिछड़े वर्ग के आरक्षण को कमजोर करने का आरोप लगाया है। पीडीए भवन, कटघरा जौनपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव के समय धार्मिक भावनाओं के नाम पर पिछड़े वर्ग को भ्रमित कर वोट हासिल करती है, लेकिन सत्ता में आने के बाद पिछड़े, दलित, किसान, मजदूर और वंचित समाज के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने का काम करती है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई समाजवादी आंदोलन की पहचान रही है। स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक बराबरी की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया था, लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद उत्तराखंड में पिछड़े वर्ग का आरक्षण घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया गया।

मोहम्मद अरशद खान ने आरोप लगाया कि झारखंड में भी पिछड़े वर्ग को मिले 27 प्रतिशत आरक्षण को घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया गया। वहीं पश्चिम बंगाल में पिछड़े वर्ग को मिलने वाले 17 प्रतिशत आरक्षण को कम करके 7 प्रतिशत कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां लगातार पिछड़े वर्ग, दलितों और वंचित

समाज की हिस्सेदारी को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज देश में यह सवाल उठ रहा है कि भाजपा शासित राज्यों में पिछड़े वर्ग को संविधान की भावना के अनुरूप पूरा अधिकार और प्रतिनिधित्व क्यों नहीं दिया जा रहा। भाजपा सामाजिक न्याय की बात तो करती है, लेकिन आरक्षण, रोजगार, शिक्षा और राजनीतिक हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर पीछे हट जाती है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन के माध्यम से पूरे देश में सामाजिक न्याय की नई लड़ाई लड़ रहे हैं। पार्टी की मांग है कि पूरे देश में जातीय जनगणना कराई जाए ताकि आबादी के अनुपात में पीडीए समाज को सम्मानजनक हिस्सेदारी और 27 प्रतिशत से अधिक आरक्षण मिल सके। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भाजपा ने सामाजिक न्याय और विकास के मुद्दों से जनता का ध्यान हटाकर धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया है। लेकिन देश की जनता अब समझ चुकी है कि संविधान, आरक्षण और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा केवल सामाजिक न्याय की ताकतें ही कर सकती हैं।

अंत में उन्होंने पीडीए समाज से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि आने वाले समय में देश की जनता भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का जवाब सामाजिक न्याय, संविधान बचाओ और भाईचारे की ताकत से देगी।

वाराणसी एयरपोर्ट पर दिल्ली जा रहे यात्री के बैग से 3 कारतूस बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (बाबतपुर) पर आज उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के पास से कारतूस बरामद किए गएसुरक्षाकर्मियों की मुस्तैदी के चलते एक बड़ी लापरवाही और सुरक्षा चूक को समय रहते पकड़ लिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, एक यात्री वाराणसी से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। सुरक्षा नियमों के तहत जब सीआईएसएफ (उक्र्रञ्च) के जवान टर्मिनल बिल्डिंग के मुख्य सुरक्षा जांच बिंदु पर यात्री के हैंडबैग की एक्स-रे मशीन से स्कैनिंग कर रहे थे, तभी स्क्रीन पर कुछ संदिग्ध वस्तुएं दिखाई दीं।संदेह होने पर सुरक्षाकर्मियों ने बैग को रुकवाया और उसकी गहन तलाशी ली। बैग खोलने पर सुरक्षा अधिकारियों के होश उड़ गए, जब उसमें से तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए।हवाई अड्डे

जैसे अति-संवेदनशील क्षेत्र में कारतूस मिलने के तुरंत बाद सीआईएसएफ ने यात्री को हिरासत में ले लिया। एयरपोर्ट सुरक्षा विंग ने कानूनी कार्रवाई और आगे की जांच के लिए आरोपी यात्री को स्थानीय फूलपुर थाने की पुलिस के हवाले कर दिया है।शुरूआती जानकारी के मुताबिक, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से यात्री से पूछताछ कर रही हैं कि वह यह कारतूस हवाई जहाज के भीतर किस उद्देश्य से ले जा रहा था और क्या उसके पास इसका कोई वैध लाइसेंस है।इस घटना के बाद वाराणसी एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। सभी यात्रियों और उनके सामान की बेहद बारीकी से जांच की जा रही है। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

प्रधान ही बनेंगे गांव के प्रशासक? यूपी सरकार के प्रस्ताव से पंचायतों में बड़ा बदलाव संभव

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की ग्राम पंचायत व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। पंचायती राज विभाग ने शासन को एक अहम प्रस्ताव भेजा है, जिसके तहत ग्राम पंचायत का कार्यकाल समाप्त होने के बाद निवर्तमान ग्राम प्रधान को ही गांव का प्रशासक बनाए जाने की व्यवस्था लागू की जा सकती है। इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लेंगे।

अब तक ग्राम पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने के बाद एडीओ पंचायत या अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को प्रशासक नियुक्त किया जाता रहा है। लेकिन नए प्रस्ताव में कहा गया है कि यदि प्रधान को ही प्रशासक बनाया जाता है तो गांवों में चल रहे विकास कार्य प्रभावित नहीं होंगे और मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन सहित अन्य सरकारी योजनाओं का संचालन लगातार जारी रहेगा।

पंचायती राज विभाग के अधिकारियों का मानना है कि ग्राम प्रधान गांव की जरूरतों और समस्याओं को बेहतर तरीके से समझते हैं। ऐसे में उनके प्रशासक बनने से गांव की जनता और शासन के बीच समन्वय मजबूत होगा तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। यदि यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है तो प्रदेश की 58 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में निवर्तमान प्रधानों को प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस प्रस्ताव का विभिन्न प्रधान संगठनों ने स्वागत किया है और इसे गांवों के विकास के लिए सकारात्मक कदम बताया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली आगामी कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

जौनपुर में अवैध 'दोहरा' कारोबार पर प्रशासन का बड़ा शिकंजा, कई दुकानों पर छापेमारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के सख्त निर्देश के बाद जनपद में प्रतिबंधित और अवैध 'दोहरा' कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। शहर के जेसीज चौराहा से लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पीछे तक चोरी-छिपे दोहरा बिकने की चर्चाओं के बीच आबकारी विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने कई स्थानों पर औचक छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में नेवादा क्षेत्र स्थित कमलेश मौर्या की दुकान पर छापा मारकर अवैध दोहरा बरामद किया गया। टीम ने मौके से नमूना संग्रहित किया तथा लगभग 2 किलोग्राम दोहरा नष्ट कराया। इसी क्रम में खरका तिराहा स्थित शीला देवी की दुकान पर भी छापेमारी की गई। अधिकारियों के अनुसार उक्त दुकान पर पूर्व में भी कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन इस बार भी प्रतिबंधित दोहरा मिलने पर करीब 5 किलोग्राम सामग्री नष्ट कराई गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध दोहरा बिक्री पर काफी हद तक नियंत्रण किया जा चुका है, बावजूद इसके कुछ लोग चोरी-छिपे इस कारोबार में लगे हुए हैं। विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जिले में कहीं भी अवैध दोहरा निर्माण या बिक्री की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कोतवाली पहुंचे डीएम, थाना समाधान दिवस में फरियादियों को मिला त्वरित न्याय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कोतवाली जौनपुर में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया। जनसुनवाई के दौरान रासमंडल निवासी राहुल राय और उनके पड़ोसी के बीच प्लास्टर कराने को लेकर चल रहे विवाद का समाधान जिलाधिकारी ने तत्काल कराया। वहीं प्रियंका श्रीवास्तव के ताला खुलवाने से जुड़े मामले में भी मौके पर ही कार्रवाई करते हुए समाधान सुनिश्चित किया गया। इसके अलावा जितेंद्र कुमार, पुष्पेंद्र पाल, अशोक कुमार जायसवाल एवं अनुराग गुप्ता निवासी तारतला द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र संबंधित एसएचओ को सौंपते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मौके पर जाकर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि थाना समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निस्तारण होना चाहिए। भूमि एवं राजस्व विवादों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जांच करे, ताकि लोगों को त्वरित न्याय मिल सके। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, एसएचओ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला उत्थान समिति ने पंचकोशी यात्रियों के लिए किया पुनीत कार्य: पूनम मौर्य

पंचकोशी यात्रियों हेतु निशुल्क प्याऊ व्यवस्था का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। राजातालाब प्रचण्ड गर्मी को देखते

हुए महिला उत्थान समिति वाराणसी द्वारा शुक्रवार शाम 5 बजे पंचकोशी यात्रा के दुसरे पड़ाव भीमचण्डी में निशुल्क प्याऊ का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य एवं विशिष्ट अतिथि लहरतारा कबीर मठ के महंत गोविंद दास शास्त्री ने संयुक्त रूप से फिता काटकर तथा पंचकोशी यात्रियों को ठंडा पानी पिलाकर उद्घाटन किया।जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने चिलचिलाती धूप में यात्रियों की प्यास बुझाने हेतु महिला उत्थान समिति के इस पुनीत कार्य का काफी सराहना किया। विशिष्ट अतिथि लहरतारा कबीर मठ के महंत गोविंद दास शास्त्री ने कहा कि इस भीषण गर्मी में पंचकोशी यात्रियों को पानी पिलाना भी बहुत बड़ा फलदाई पूण्य होता है।इस दौरान विनय पांडेय, राजेश राजभर, विजय गुप्ता ,डॉक्टर चक्रपाणि ओझा, सर्वजीत भारद्वाज, पियूषकांत उपाध्याय, एडवोकेट, विनय उपाध्याय, शुभम उपाध्याय, किशन प्रजापति,सौरभ सिंह, विजय पांडे, शुभम मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

फाइलेरिया मरीजों के लिए लगा विशेष कैंप, 23 मरीजों को मिला प्रशिक्षण और एमएमडीपी किट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद में फाइलेरिया उन्मूलन एवं मरीजों की बेहतर देखभाल के उद्देश्य से जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में ब्लॉक करंजकला स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर परशुरामपुर में रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता रोकथाम (एमएमडीपी) कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में सीएचओ श्रीमती रेणुका यादव के सहयोग से 08 फाइलेरिया लिंफोडिमा मरीजों को प्रशिक्षण देकर एमएमडीपी किट वितरित की गई।

प्रशिक्षण के दौरान मरीजों को फाइलेरिया से होने वाली समस्याओं, साफ-सफाई, प्रभावित अंगों की धुलाई, नियमित एक्सरसाइज तथा दिव्यांगता रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई। पाथ संस्था के डीओ अमरेश कुमार एवं पीसीआई से शिवम पाण्डेय ने भी मरीजों को रुग्णता प्रबंधन के बारे में जागरूक किया।

इसके अलावा 22 मई को खुटहन सीएचसी पर अधीक्षक डॉ. आरिफ के नेतृत्व में आयोजित कैंप में 15 मरीजों को प्रशिक्षण देकर एमएमडीपी किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में पाथ डीओ अमरेश कुमार एवं बीसीपीएम राजेश गौतम का विशेष सहयोग रहा। कैंप में मिले प्रशिक्षण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी से मरीजों ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे बेहद उपयोगी पहल बताया।

अंतरराष्ट्रीय संस्था हिन्दी साहित्य भारती का पाँचवाँ अधिवेशन शिरडी में सम्पन्न

-प्रो डॉ दयानंद तिवारी

शिरडी (उत्तरशक्ति)। भारतीय जीवन-दर्शन, सनातन धर्म की मूल संकल्पना वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे जनाः सुखिनः भवन्तु की उदात्त भावना के प्रसार हेतु मानव बन जाए जग सारा, यह पावन संकल्प हमारा के सार्थक उद्देश्य को लेकर वर्ष 2020 से कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्था हिन्दी साहित्य भारती का तीन दिवसीय वार्षिक अधिवेशन महाराष्ट्र के शिरडी स्थित साई बाबा सांस्कृतिक संकुल के भव्य सभागार में विगत दिनों सम्पन्न हुआ।

इस अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से दो सौ से अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता दर्ज कराई। 15 से अधिक देशों के पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े, जबकि ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधि श्री चार्ल्स एस. थॉमसन ने भौतिक रूप से उपस्थित होकर सहभागिता की।

तीन दिवसीय आयोजन में सात विविध सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें सदस्यता एवं सांगठनिक समीक्षा, युवा शक्ति और सनातन धर्म, महिला सशक्तिकरण और भारतीय दृष्टिकोण, भारतीय सांस्कृतिक चेतना का वैश्विक आयाम तथा संस्था के विविध आयामों एवं प्रकल्पों की समीक्षा पर क्रमशः विस्तृत विमर्श सम्पन्न हुआ।

अधिवेशन में सर्वसम्मति से तीन महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार को प्रेषित करने का अनुमोदन किया गया। पहले प्रस्ताव के अंतर्गत शिक्षा का माध्यम केवल भारतीय भाषाएँ हों विषय पर तथ्यपरक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। दूसरे प्रस्ताव साम्प्रदायिक शिक्षा भारत के लिए अभिशाप के अंतर्गत मिशनरियों और मदरसों में दी जा रही साम्प्रदायिक एवं विभेदीकरणपरक शिक्षा को निषिद्ध किए जाने की मांग की गई। तीसरे महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव में देश में नैतिक एवं सनातन मूल्यों की पक्षधर गुरुकुल शिक्षा पद्धति को सम्पूर्ण राष्ट्र में कार्यान्वित किए जाने की मांग रखी गई।

अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में मुख्य संबोधन सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी एवं गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में कम्प्यूटर चिप को माँ

सरस्वती के आधुनिक स्वरूप की भाँति अंगीकार करना चाहिए। भारतीय भाषाओं की संस्थापना हमारे डी.एन.ए. में होनी चाहिए। हस्ताक्षर अपनी मातृभाषा में होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यंत्र-प्रज्ञा को चैतन्य-प्रज्ञा पर हावी नहीं होने देना है। मुख्य अतिथि डॉ. अतुलभाई कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, ने अपने सारगर्भित संबोधन में कहा कि आज विश्व एक चौराहे पर खड़ा है।85 से अधिक देश तेल संकट और अन्य कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। भौतिक विकास तो बढ़ रहा है, पर समस्याएँ भी मुँह बाए खड़ी हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, ताकि वह समाप्त होते मार्क्सवाद और पनपते पूँजीवाद के बीच भारतीय ज्ञान-परंपरा के आदर्श मॉडल को आत्मसात कर शांति और सौहार्द को चरितार्थ कर सके।

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व शिक्षा एवं कृषि मंत्री तथा हिन्दी साहित्य भारती के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारतीय सनातन धर्म ही निखिल विश्व में वास्तविक धर्म है, बाकी सभी पंथ या रिलीजन हैं। दुनिया के सारे चिंतन एकांगी हैं, जबकि भारतीय सांस्कृतिक सोच व्यापक, कल्याणकारी और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से ओतप्रोत है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और समर्पण की नगरी शिरडी की पावन भूमि पर हिन्दी साहित्य भारती ने नवजागरण का शंखनाद किया है।

डॉ. शुक्ल ने कहा कि भारत का आशय है – भा अर्थात ज्ञान और रत अर्थात उसमें निरंतर संलग्न। देश का नाम भारत होना चाहिए, न कि इंडिया। इसी क्रम में ओम उच्चारण के ध्वनि-मत से यह संकल्प भी पारित किया गया कि देश का नाम केवल भारत हो। इस मांग को लेकर देशभर के प्रबुद्ध वर्ग से 21,000 संकल्प-पत्र हस्ताक्षरित करवाकर शीघ्र ही राष्ट्रपति महोदया को सौंपे जाने का प्रस्ताव रखा गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक लक्ष्मी नारायण भाला ने संगठन-विस्तार के कौशल पर विस्तारपूर्वक अपने सूत्र प्रस्तुत किए।

तीनों दिन पूर्वनिर्धारित सत्रों के समापन के उपरान्त आयोजित काव्य-मंच में गणमान्य एवं सुस्थापित कवियों-कवयित्रियों ने ओजस्वी काव्य-पाठ कर वातावरण को साहित्यिक ऊर्जा से भर दिया।

अधिवेशन के तीसरे दिन असम राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री लक्ष्मण आचार्य ने ऑनलाइन जुड़कर अपना समसामयिक संभाषण प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने अत्यंत सराहा।

नेपाल, कनाडा, ब्रिटेन, श्रीलंका, तंजानिया, फिजी, भूटान, ताजिकिस्तान, जर्मनी आदि 15 से अधिक देशों से ऑनलाइन जुड़े पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने एकमत से स्वीकार किया कि मौजूदा वैश्विक झंझावातों के विषम काल में भारतीय सनातन मूल्य ही विश्व-शांति और सौहार्द का स्थायी समाधान बन सकने में सक्षम हैं। भारतीय सांस्कृतिक चेतना का यही वैश्विक आयाम है।

विदेशी प्रतिनिधियों ने यह मत व्यक्त किया कि जहाँ पाश्चात्य दुनिया विश्व को बाजार के रूप में देखती है, वहीं भारतीय चिंतन सम्पूर्ण विश्व को परिवार के रूप में देखता है। यही भारतीय चिंतन-परंपरा की विशिष्टता है। हिन्दी भाषा को राष्ट्रीय विमर्श हेतु राष्ट्रभाषा के रूप में वैधानिक दर्जा प्रदान करने की पुरजोर मांग करते हुए औपचारिक प्रस्ताव भी पारित किया गया।

अधिवेशन में यह भी माना गया कि प्रवासी भारतीय संबंधित देशों में भारतीय संस्कृति के सांस्कृतिक राजदूत हैं। फिजी में विद्यमान लगभग 2000 रामायण मंडलियाँ और गोस्वामी तुलसीदास रचित श्रीरामचरितमानस वहाँ के समाज को भारतीय जीवन-दर्शन से जोड़े रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

हिन्दी साहित्य भारती का सूत्र-वाक्य मानव बन जाए जग सारा, यह पावन संकल्प हमारा वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का जीवंत आधार है।

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में संस्था के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ख्यातिलब्ध साहित्यकार आचार्य देवेंद्र देव, मुंबई विश्वविद्यालय के डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, राम निवास शुक्ल, वागीश दिनकर, प्रोफेसर दयानंद तिवारी, डॉ. रमा शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र के अपर पुलिस महानिदेशक श्री कृष्ण प्रकाश, प्रोफेसर बलभद्र त्रिपाठी, प्रोफेसर विनोद मिश्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, तथा डॉ. आलोक सिंह, मेघालय विश्वविद्यालय, ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर हिन्दी साहित्य भारती की विवरणात्मक परिचायिका का भी विमोचन किया गया। सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत शाल, स्मृति-चिह्न, संस्था के अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ से किया गया। अधिवेशन में आए समस्त प्रतिभागियों को भी स्मृति-चिह्न और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय संस्था हिन्दी साहित्य भारती के केन्द्रीय मीडिया संयोजक आनन्द उपाध्याय ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी।

इंदौर गुलाब बाग गोलीकांड, पुलिस टीमें भिंड और शिवपुरी रवाना

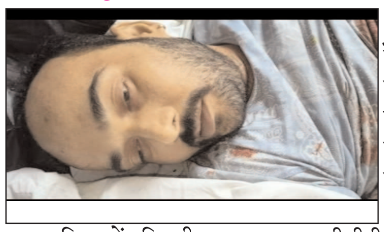

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। पुलिस के अनुसार अविनेंद्र अपनी क्रेटा कार में दो साथियों के साथ बैठा था, तभी दो बाइक पर सवार पांच बदमाश वहां पहुंचे और दूर से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में अविनेंद्र को दो गोलियां लगीं, जबकि दो अन्य गोलियां पास खड़ी कारों में जा लगीं। हमलावर राइफल जैसे हथियार से फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। अविनेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। लसूड़िया पुलिस ने बताया कि अविनेंद्र के खिलाफ भिंड सहित कई थानों में दो दर्जन से अधिक गंभीर अपराध दर्ज थे। वह अवैध रेत कारोबार से भी जुड़ा हुआ था। पुलिस जांच में सामने आया है कि हमलावर एक दिन पहले ही इंदौर पहुंच गए थे और लगातार अविनेंद्र की रेकी कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपी सुबह से उसकी गतिविधियों पर नजर रखते दिखाई दिया है।

जानकारी के मुताबिक नवंबर 2024 में हुए विष्णु यादव हत्याकांड में अविनेंद्र भी आरोपी था। उस मामले में विष्णु यादव की हत्या के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच समझौते की बातचीत भी चल रही थी, लेकिन गुलशन यादव अपने भाई विष्णु की हत्या का बदला लेने की कसम खा चुका था। इसी रंजिश के चलते इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया।पुलिस ने वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर जब्त कर ली है। फुटेज में रेकी करने वाला आरोपी और बाइक सवार अन्य चार बदमाश आते-जाते दिखाई दिए हैं। आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें भिंड और शिवपुरी रवाना की गई हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी जल्द सरेंडर कर सकते हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी गौरव जाट, गुलशन यादव और डिल्लू पर पहले से कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। गौरव जाट सोशल मीडिया पर हथियारों और अपने अपराधों की अखबारी कटिंग के स्टेटस लगाकर दहशत फैलाने की कोशिश करता था। डिल्लू के खिलाफ भी हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

मरम्मत कार्य के दौरान करंट की चपेट में आए संविदा लाइनमैन की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

-मयांक श्रीवास्तव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र में आंधी-तूफान के बाद क्षतिग्रस्त बिजली खंभों की मरम्मत के दौरान संविदा लाइनमैन अशोक यादव की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। बताया जा रहा है कि बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए अशोक यादव मरम्मत कार्य में जुटे थे। इसी दौरान अचानक करंट प्रवाहित हो गया और वह उसकी चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन किए बिना कार्य कराया जा रहा था। लोगों का कहना है कि यदि लाइन पूरी तरह बंद कराकर कार्य कराया जाता तो यह हादसा टाला जा सकता था। अशोक यादव लंबे समय से संविदा लाइनमैन के रूप में कार्यरत थे और क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारी व मेहनत के लिए जाने जाते थे। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने मृतक परिवार को आर्थिक सहायता देने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दो लाख रुपये कीमत के प्रतिबंधित इलेक्ट्रिक सिगरेट का जखीरा जब्त

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पुलिस ने महाराष्ट्र में प्रतिबंधित इलेक्ट्रिक सिगरेट बेचने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मीरा रोड पुलिस स्टेशन की हद में सिल्वर पार्क स्थित जहांगीर सर्कल के पास मौजूद अर्बन पफ शॉप पर पुलिस ने छापा मारकर करीब 2 लाख रुपये कीमत की प्रतिबंधित इलेक्ट्रिक सिगरेट बरामद की। पुलिस ने दुकान से महाराष्ट्र में प्रतिबंधित इलेक्ट्रिक सिगरेट बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है, जिसे पुलिस ने वांटेड घोषित किया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि अर्बन पफ शॉप का संचालक प्रतिबंधित इलेक्ट्रिक सिगरेट कहां से मंगवाता था और इसका सप्लाई नेटवर्क किन-किन लोगों से जुड़ा हुआ है।यह कार्रवाई मीरा रोड पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मेघना बुरांडे, पुलिस निरीक्षक जिलानी सय्यद तथा मीरा रोड पुलिस की टीम द्वारा की गई।

दबंग पड़ोसी ने महिला और परिवार पर धारदार हथियार से किया जानलेवा हमला

पुलिस पर लापरवाही का आरोप

बलरामपुर। बलरामपुर जनपद के थाना गौरा चौराहा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा करमहना अल्हीडीह में पुराने विवाद को लेकर दबंग पड़ोसियों द्वारा एक परिवार पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़िता श्यामा देवी चौहान ने बताया कि वह अपने पति और बच्चों के साथ मेहनत-मजदूरी व खेती करके परिवार का पालन-पोषण करती हैं। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते गांव की चांद तारा पत्नी अली शेर मोहम्मद ने अपने बेटों असगर अली, इस्लाम तथा अन्य लोगों के साथ मिलकर श्यामा देवी और उनके परिवार पर धारदार

हथियार से हमला कर दिया। हमले के दौरान परिवार के लोगों को गंभीर चोटें आईं। पीड़िता का आरोप है कि घटना के समय पुलिस मौके पर मौजूद रही, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय तमाशबीन बनी रही। इतना ही नहीं, जब श्यामा देवी के बेटे ने मोबाइल से घटना का वीडियो बनाने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मियों ने मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट कर दिया और युवक को थाने ले गए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके बेटे को मुकदमे में फंसाने की धमकी दी तथा उनकी 17 वर्षीय बेटी को भी रात में थाने ले जाकर घंटों बैठाए रखा। परिवार का कहना है कि पुलिस ने मेडिकल कराने का आश्वासन दिया, लेकिन पूरी रात थाने में बैठाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। अगले दिन श्यामा देवी न्याय की उम्मीद लेकर बलरामपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं, लेकिन शनिवार होने के कारण उनकी शिकायत दर्ज नहीं हो सकी। निराश और परेशान हालत में लौट रही श्यामा देवी एवं उनकी बेटी से उत्तर शक्ति हिंदी दैनिक के पत्रकार नान बाबू चौहान ने मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की है।

इंडियनऑयल ने बढ़ती मांग के बीच निर्बाध ईंधन आपूर्ति का दियाआश्वासन

मुंबई। राष्ट्र सेवा और जनसेवा के अपने संकल्प के साथ, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड देशभर में पेट्रोल (MS), डीजल(HSD) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिएअपने संचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय को लगातार जारी रखे हुए है। कई क्षेत्रों में ईंधन की मांग में तेज वृद्धि के बीच यह कदम उठाए गए हैं। हाल के समय में, कई राज्यों में मौसमी कृषि गतिविधियों और फसल कटाई कार्यों के कारण इंडियनऑयल ने पेट्रोलियम उत्पादों की मांग मेंउल्लेखनीय वृद्धि देखी है। इसके अतिरिक्त, अन्य आपूर्तिकताओं कीतुलना में कम कीमत के कारण खुदरा ग्राहकों का इंडियन ऑयल रिटेलआउटलेट्स की ओर रुझान बढ़ा है, साथ ही संस्थागत और वाणिज्यिकउपभोक्ताओं का भी रिटेल फ्यूल आउटलेट्स की ओर स्पष्ट रूप सेस्थानांतरण हुआ है, जिससे अतिरिक्त मांग का दबाव उत्पन्न हुआ है। इंडियनऑयल अपने व्यापक देशव्यापी नेटवर्क - टर्मिनल्स,डेपो,पाइपलाईन्स,एलपीज ी बॉटलिंग प्लांट्स और रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से निर्बाध आपूर्ति और समय पर पुनः पूर्ति बनाएहुए है। वी आर ऑलवेज देयर की भावना के अनुरूप, सप्लाई टीमें, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन और चयनित रिटेल आउटलेट्स 24x7 कार्यरत हैं ताकि उत्पादों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। इंडियनऑयल उपभोक्ताओं को आश्वस्त करना चाहता है कि देशभर मेंपेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सुचारुएवं निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए राज्य प्रशासन के साथ निकटसमन्वय में सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इंडियन ऑयल लगातार स्टॉक की स्थिति की समीक्षा कर रहा है तथा बढ़ी हुई मांग की स्थिति को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए लॉजिस्टिक्स और वितरण योजना पर करीबी समन्वय बनाए हुए है। नागरिकों को सामान्य खरीद व्यवहार जारी रखने और अनावश्यक घबराहट में खरीदारी से बचने की सलाह दी गई है। उपभोक्ताओं से यहभी अनुरोध किया गया है कि ईंधन उपलब्धता से संबंधित सटीक जानकारी के लिए केवल अधिकृत एजेंसियों और इंडियन ऑयल द्वाराजारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

मदरसा नियुक्तियों में भ्रष्टाचार का आरोप, कार्रवाई की मांग तेज

पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री से की जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

भदोही। उत्तर प्रदेश में मदरसों की कार्यप्रणाली और नियुक्तियों को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी ने प्रदेश सरकार से कथित मदरसा माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कुछ कथित तत्व मदरसा शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं और इससे समाज में भय एवं असंतोष का वातावरण पैदा हो रहा है। सरवर सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि कुछ कथित लोग धर्म और सामाजिक पहचान की आड़ लेकर प्रभावशाली छवि बनाकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग समाज में सफेदपोश बनकर रहते हैं और अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मदरसों में नियुक्तियों के नाम पर बड़े स्तर पर अनियमितताएं हो रही हैं। उनके अनुसार, मदरसा में नौकरी दिलाने के नाम पर अभ्यर्थियों से कथित तौर पर 20 से 25 लाख रुपये तक की धनराशि वसूले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह न केवल शिक्षा व्यवस्था बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ भी गंभीर खिलवाड़ है। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भ्रष्ट व्यवस्था समाज के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि कोई व्यक्ति या संगठन दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था स्थापित करना है, ऐसे में शिक्षा संस्थानों में किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए।

स्कैपिया ने जनरल कैटलिस्ट के नेतृत्व में जुटाए 63 मिलियन डॉलर

मुंबई। भारत की अग्रणी ट्रैवल-फिनटेक कंपनियों में से एक, स्कैपिया ने जनरल कैटलिस्ट के नेतृत्व में 63 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग हासिल की है। इस निवेश दौर में मौजूदा निवेशकों पीक एक्सवी पार्टनर्स और जेड47 ने भी अपनी निरंतर भागीदारी बनाए रखी। इस पूंजी के जरिए स्कैपिया देशभर में अपने ग्राहक आधार का विस्तार करेगी और उत्पाद विकास व टीम निर्माण के अपने एआई-फर्स्ट दृष्टिकोण को और मजबूत बनाएगी।

स्कैपिया के फाउंडर और सीईओ, अनिल गोटेटी, ने कहा, ह्लहम जनरल कैटलिस्ट का भागीदार के रूप में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। साथ ही, पीक एक्सवी और जेड47 का लगातार समर्थन हमारे विजन, उत्पाद और अब तक की यात्रा में उनके मजबूत विश्वास को दशार्ता है। आज स्कैपिया केवल एक वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि एक व्यापक ट्रैवल इकोसिस्टम के रूप में विकसित हो चुका है, जिसे उस नई भारतीय पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो यात्रा को अपनी जीवनशैली का अहम हिस्सा मानती है। यह निवेश हमें अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाने, ग्राहकों को बेहतर अनुभव और अधिक मूल्य देने, ब्रांड की पहुँच बढ़ाने और बेहतरीन प्रतिभाओं को साथ जोड़ने में मदद करेगा। साथ ही, हम एक मजबूत एआई-फर्स्ट संस्कृति और उत्पाद सोच विकसित करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य ऐसे उत्पाद तैयार करना है, जो लोगों को अधिक यात्रा करने और बेहतर जीवन अनुभव जीने के लिए प्रेरित करें।

जनरल कैटलिस्ट के इंडिया और एमईएनए सीईओ, नीरज अरोड़ा, ने कहा, भारत की अगली बड़ी उपभोक्ता कंपनियाँ केवल पारंपरिक मॉडलों के डिजिटल रूपांतरण से नहीं, बल्कि बदलती जीवनशैली और नए उपभोक्ता व्यवहारों की गहरी समझ के आधार पर उभरेंगी। स्कैपिया ने बहुत शुरूआती चरण में ही यह पहचान लिया था कि नई भारतीय पीढ़ी के लिए यात्रा अब सिर्फ एक आकांक्षा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जीवनशैली का अहम हिस्सा बन चुकी है। पिछले एक वर्ष में ग्राहकों की संख्या में सात गुना वृद्धि और ट्रैवल इकोसिस्टम में कंपनी की मजबूत पकड़ उसके विजन और क्रियान्वयन क्षमता को स्पष्ट रूप से दशार्ती है। हम स्कैपिया की इस विकास यात्रा का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं।

मृत्यु भोज बहिष्कार पर बि एस वी एस को मिल रहा सर्व समाज का तेजी से समर्थन

भदोही(उत्तरशक्ति) । भदोही उत्तर प्रदेश में, गत दिवस बिंद समाज विकास संघ द्वारा मृत्यु भोज बंद करो अभियान चलाया गया जिसमें,भदोही, आजमगढ़, गाजीपुर, जौनपुर ,प्रयागराज, मिजार्पुर, वाराणसी, चंदौली, सारनाथ, प्रतापगढ़, कई जिलों में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद की अगुवाई में प्रकृति की मार तेज आंधी तूफान से जान माल के नुकसान होने पर संघ के कार्यकताओं ने सभी के घर जा जाकर मृतक के पार्थिव शरीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की मृतक के परिवार एवं ग्राम वासियों को 13वीं भोज यानी मृत्यु भोज से बचने के लिए बैठकर विस्तार में चर्चा करते हुए मृत्यु भोज का बहिष्कार किया। जिसमें ग्राम वासियों में बिंद समाज विकास संघ के कार्यों की जमकर सराहना की और मृत्यु भोज न खाने न खिलाने का फैसला किया। संघ के कार्यकताओं ने लोगों को समझाते हुए बताया कि कफन देने के बजाय कफन खरीदने में जो पैसे खर्च होते हैं। सौ, दो सौ, पांच सौ, वह मृतक के परिवार को सहयोग रूप में दें, पूरा कफन जलाया नहीं जाता सब गंगा जी में फेंक दिया जाता है। जिससे गंगा का पानी भी दूषित हो रहा है, और अगर किसी अस्पताल में परिवार का कोई भी सदस्य भर्ती रहता है वहां जाकर फल या कुछ खाने की वस्तु ले जाकर देने के बजाय सौ , दो सौ, पांच सौ, जो सहयोग हो सके उनको दे ताकि उनके एक दिन की दवा के काम आता है, उनके परिवार को चाय नाश्ता खाना खिलाए उनका चाय भी न पिए।

अभियान में, मुख्य रूप से अध्यक्ष सहित, उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोक जयशंकर कलंदर बिंद,सूरत गुजरात प्रदेश अध्यक्ष फूलचंद बिंद, सूरत महासचिव दीनानाथ बिंद, सूरत प्रवक्ता गुलाब चंद्र बिंद, सूरत युवसेना अध्यक्ष सुरेश कुमार बिंद, बी एस वी एस न्यूज रिपोर्टर अरविंद बिंद, सूरत महानगर महिला प्रदेश अध्यक्ष बिंदु बिंद, भदोही जिला अध्यक्ष डॉ रमाशंकर बिंद,जिला भदोही सलाहकार डॉ हरिश्चंद्र बिंद,जिला भदोही संगठन मंत्री मोहनलाल बिंद, युवासेना संगठन मंत्री राज बिहारी बिंद, उदल कुमार बिंद, बसंत लाल मौर्य,सुभाष बिंद, गोरेलाल बिंद,

डॉक्टर सावरा और पूर्व मंत्री कपिल पाटिल ने वाडा में भाजपा में पार्टी प्रवेश करवाया

वसई रोड।भारतीय जनता पार्टी वाडा ईस्ट सोनाले मंडल शहापुर विधानसभा के तहत आयोजित कार्यकर्ता मीटिंग और पार्टी प्रवेश प्रोग्राम जोश के साथ खत्म हुआ। इस मीटिंग में, कई कार्यकर्ताओं ने पार्टी की आइडियोलॉजी पर विश्वास करते हुए सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी जॉइन की। देश के हित, विकास और आम आदमी के मुद्दों के लिए कमिटेड भाजपा परिवार में नए साथियों का हार्दिक स्वागत है। इस मौके पर पालघर खासदार डॉक्टर हेमंत सांवरा,पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल साहेब, पालघर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट भरत भाई राजपूत, सीनियर लीडर बाबाजी कथोले सर, अशोक इरनाक, पांडुरंग बरोरा, आदि ने विश्वास जताया कि कार्यकताओं के जोश, लोगों के विश्वास और ऑगेर्नाइजेशनल पावर की वजह से आने वाले समय में वाडा तालुका में भाजपा और मजबूत होगी।

स्नेहा दुबे पंडित आदिवासी बच्चों के बालसंस्कृति लीडरशिप कैंप में लिया हिस्सा

वसईरोड। उसगांव डोंगरी, भटाने, वसई में महाराष्ट्र स्टेट लेबर ऑर्गनाइजेशन द्वारा आदिवासी बच्चों के लिए आयोजित बाल संस्कृति, लीडरशिप डेवलपमेंट, हैंडीक्राफ्ट, पेंटिंग, सिंगिंग, डांस, योग और अलग-अलग कल्चरल एक्टिविटी के प्रोग्राम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए और आदिवासी समुदाय के स्टूडेंट्स में पढ़ाई के साथ-साथ संस्कृति, कला, लीडरशिप क्वालिटी और आत्मविश्वास जगाने के मकसद से आयोजित यह प्रोग्राम बहुत ही इंस्पायरिंग और तारीफ के काबिल

है। स्टूडेंट्स के ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए समाज को ऐसी एक्टिविटी की बहुत जरूरत है, और लेबर ऑर्गनाइजेशन लगातार सोशल कमिटमेंट के साथ काम कर रहा है।

इस मौके पर मेरे साथ ट्राइबल डेवलपमेंट रिव्यू एरिया कमिटी के चेयरमैन (मिनिस्ट्रियल रैंक) और लेबर ऑर्गनाइजेशन के फाउंडर भी थे। इस मौके पर मेट्रो के असिस्टेंट जनरल मैनेजर विवेक भाऊ पंडित, श्रीमती योगिनी सुर्वे, पूर्व प्रेसिडेंट रामभाऊ वार्ना, लेबर ऑर्गनाइजेशन की प्रेसिडेंट श्रीमती सीता घाटल, वर्किंग प्रेसिडेंट बलराम भोईर, जनरल सेक्रेटरी विजय जाधव के साथ-साथ श्रमजीवी संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, आदिवासी छात्र और छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद थे। आदिवासी समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कृति और लीडरशिप डेवलपमेंट के जरिए काबिल और आत्मनिर्भर बनाने की यह कोशिश निश्चित रूप से प्रेरणा देने वाली है

एड . प्रणीत पल्लवी कोप्पिकर भाजपा युवा मोर्चा वसई-विरार जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

वसईरोड। प्रणीत पल्लवी प्रवीण कोप्पिकर को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार को मजबूत करने के उद्देश्य से भाजपा युवा मोर्चा वसई-विरार जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति भाजपा युवा मोर्चा वसई-विरार जिला अध्यक्ष विनीत तिवारी द्वारा आधिकारिक रूप से की गई। वसई रोड में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उपस्थित पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों ने एडवोकेट प्रणीत को उनके राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन की नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा वसई रोड मंडल के पूर्व सचिव बाला सावंत, नारायण शेट्टी, अजय चौकेकर तथा मनोज बारोट सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। वरिष्ठ नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि एडवोकेट प्रणीत की नेतृत्व क्षमता से वसई-विरार जिले में युवा मोर्चा संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा युवाओं के बीच पार्टी का विस्तार तेज होगा। उनकी नियुक्ति पर पूरे क्षेत्र से शुभकामनाएं और बधाइयों का सिलसिला जारी है।